UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-219 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 22 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी को मिली दो नए एक्सप्रेसवे की सौगात, 333 किमी होगी लंबाई, योगी कैबिनेट ने दी हरी झंडी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 26,315 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 333 किलोमीटर लंबे विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण को स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इस अहम प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है।

ग्रीनफील्ड विंध्य एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे के अंतिम बिंदु प्रयागराज से प्रारंभ होकर भदोही के ज्ञानपुर, मीरजापुर के चुनार, राबर्ट्सगंज, रेणुकूट होते बभनी छत्तीसगढ़ बार्डर तक जाएगा। छह लेन यह एक्सप्रेसवे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। इस एक्सप्रेसवे के निर्माण से यहां औद्योगिक, कृषि और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 18 प्रस्ताव रखे गए और सभी पास हो गए। कैबिनेट बैठक के बाद निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे व गंगा एक्सप्रेसवे से बेहतर संपर्क स्थापित हो सकेगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को एक लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के अनुरूप महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर मानी जा रही है।यूपीडा द्वारा कराए गए विस्तृत सर्वेक्षण और तकनीकी अध्ययन के बाद तीन वैकल्पिक अलाइनमेंट तैयार किए गए थे। मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद विकल्प-3 को सबसे उपयुक्त माना गया। यह मार्ग प्रयागराज से शुरू होकर भदोही (ज्ञानपुर), मीररजापुर (चुनार), राबर्ट्सगंज और रेणुकूट होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक जाएगा।परियोजना से विंध्य क्षेत्र के औद्योगिक, पर्यटन, खनिज और कृषि क्षेत्रों को नई गति मिलने के साथ-साथ माल परिवहन की लागत और यात्रा समय में भी कमी आएगी। सरकार का मानना है कि यह एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख मार्गों से बेहतर संपर्क स्थापित कर प्रदेश के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। प्रदेश में एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और मजबूत करने

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद पीएम मोदी के बयान पर सपा भड़की, अखिलेश के चाचा बोले- अगर वो साथ हैं तो...

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके.

साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए. बता दें मोदी ने दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों की बैठक में यह बात कही. यह बैठक सोमवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व में हजारों छात्रों द्वारा नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित 'संसद चलो' मार्च के एक दिन बाद हुई.करीब एक घंटे तक चली 'मंगल मिलन' नामक बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि प्रश्नपत्र लीक की खबर सामने आते ही सरकार ने तत्काल कार्रवाई की और 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया. रीजीजू ने कहा, ' 'साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए नीट की पुनर्परीक्षा को प्राथमिकता दी गई, उसका सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया तथा परिणाम भी बिना विलंब किए घोषित कर दिए गए.उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह के प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं.

रीजीजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि प्रश्नपत्र लीक गिरोह में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर

3 दिन पहली पत्नी के साथ, 3 दिन दूसरी के साथ और 7वें दिन... रामपुर में विवाद के बाद पंचायत ने बनाया पति के हफ्तेभर का शेड्यूल

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिल से दो पत्नी वाले पति को लेकर पंचायत ने एक दिलचस्प फैसला सुनाया है. दरअसल, यहां एक शख्स की दो पत्नियां हैं. पहली पत्नी ने आरोप लगाया कि उसका पति दूसरी शादी करने के बाद उसे (पहली पत्नी) को नजरअंदाज करने लगा था और पूरी तरह दूसरी पत्नी के साथ रहने लगा. ऐसे में दोनों पत्नियों के बीच हुए इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई. पंचायत ने दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद एक ऐसा अनोखा फरमान सुनाया, जो अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. क्या है पूरा मामला, पंचायत ने क्या फैसला सुनाया, चलिए विस्तार से जानते हैं इस खबर में... यह विवाद रामपुर जिले के दढ़ियाल चौकी इलाके का है. यहां करीब 14 साल पहले एक युवक की शादी उत्तराखंड की रहने वाली एक युवती से हुई. शादी के बाद युवक की दो बेटियां हुई. आरोप है कि शादी के लगभग 10 साल बीत जाने के बाद युवक ने पहली पत्नी की सहमति के बिना दूसरा शादी कर ली.

अलीगढ़ दौरा बीच में छोड़कर लखनऊ रवाना हुए सीएम योगी

अब तक 14 की मौत, डीजीपी और अपर मुख्य सचिव को मौके पर भेजा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड में 14 बच्चों की मौत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह तुरंत लखनऊ रवाना हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव गृह को मौके पर भेजकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की गहन जांच कर दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। दरअसल, राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। इमारत में संचालित कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्रों ने आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिल से छलांग लगा दी। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। बता दें कि सीएम योगी ने कहा कि मेरी हार्दिक इच्छा थी कि आज मैं अलीगढ़ में रहूं, लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है। अभी अभी मुझे जानकारी मिली है कि लखनऊ में एक अग्निकांड की दुखद घटना हुई है। उसकी चपेट में कुछ बच्चे आए हैं। उनकी दुखद मौत हुई है।

डीएम बतायें की योगी जैसे सख्त सीएम के राज में जालौन के बाजार में कौन है वो शक्तिमान जिसके लगाव अथवा दबाव में वेशकीमती सरकारी भूमि के कब्जेदारों पर नहीं हो रही कार्यवाही?

150 करोड़ की नजूल भूमि पर कार्रवाई का इंतजारः जांच सही या गलत, आखिर जिला प्रशासन की चुप्पी क्यों?

- नजूल सरकारी लैण्ड है जिसका कस्टोडियन डीएम होता है तो फिर उनके स्तर से यह रहस्मय चुप्पी कैसी?
- यदि भूमि सरकारी है तो प्रशासन उसे कब्जे में क्यों नहीं लेता ?
- और यदि भूमि किसी व्यक्ति की है तो डीएम जनता के प्रति अपनी जबावदेही का फर्ज क्यों नहीं निभा रहे, क्यों नहीं बता रहे कि उक्त विवादित भूमि का स्वामी कौन है?

अनिल शर्मा+संजय श्रीवास्तव
(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जालौन नगर पालिका क्षेत्र में कथित तौर पर लगभग 150 करोड़ रुपये मूल्य की नजूल एवं नगर पालिका की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला लंबे समय से चर्चा में है। इस प्रकरण में पूर्व उपजिलाधिकारी (एसडीएम) स्तर से जांच किए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि, जांच के बाद भी अब तक न तो कथित अतिक्रमण हटाया गया है और न ही जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे में यह मामला कई सवाल खड़े कर रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका और तहसील के अभिलेखों में संबंधित भूमि सरकारी दर्ज है तथा जांच में भी अवैध कब्जे की पुष्टि हुई है, तो जिला प्रशासन अब तक कब्जा हटाने की ठोस कार्रवाई क्यों नहीं कर पाया। दूसरी ओर यदि जांच में कोई तथ्यात्मक त्रुटि थी या जांच रिपोर्ट गलत थी, तो फिर संबंधित जांच अधिकारी के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। यही दोहरे प्रश्न अब प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि क्या किसी प्रकार के राजनीतिक या अन्य प्रभाव के कारण इस मामले में निर्णय लंबित है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है जो इन आशंकाओं की पुष्टि करता हो। बताया जाता है कि संबंधित भूमि को लेकर नगर पालिका और तहसील के अभिलेखों का परीक्षण किया गया था। यदि अभिलेखों में भूमि सरकारी पाई गई है, तो नियमानुसार राजस्व एवं नगर निकाय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, कब्जा मुक्त कराने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार प्राप्त है। लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं देता। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में प्रशासन को निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। यदि जांच रिपोर्ट किसी अवैध कब्जे की पुष्टि करती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ राजस्व कानूनों और अन्य लागू प्रावधानों के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि जांच रिपोर्ट ही त्रुटिपूर्ण पाई जाती है तो उसकी समीक्षा कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा प्रश्न पारदर्शिता का है। अब तक न तो प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि जांच का अंतिम निष्कर्ष क्या था और न ही यह बताया गया कि यदि कब्जा अवैध है तो कार्रवाई किस स्तर पर लंबित है। इससे आम नागरिकों के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकारी भूमि जनता की संपत्ति होती है। यदि उस पर अवैध कब्जा होता है तो उसका सीधा नुकसान सार्वजनिक हित को होता है। इसलिए ऐसे मामलों में प्रशासन की भूमिका पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। मामले को लेकर सामाजिक संगठनों का भी कहना है कि जिला प्रशासन को पूरे प्रकरण पर आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यदि जांच सही है तो कब्जा हटाने की समय-सीमा घोषित की जाए। यदि जांच गलत पाई गई है तो उसके कारणों को सार्वजनिक किया जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही का सिद्धांत यही कहता है कि किसी भी जांच का तार्किक निष्कर्ष सामने आना चाहिए। यदि जांच केवल फाइलों तक सीमित रह जाए और उसके आधार पर कोई कार्रवाई न हो, तो जांच की उपयोगिता पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर हैं। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस पूरे मामले में तथ्यों के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगा और यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया है तो कानून के अनुरूप निष्पक्ष कार्रवाई करेगा। वहीं यदि जांच रिपोर्ट में कोई कमी रही है तो उसकी भी समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

मुसलमानों की मॉब लिंचिंग व धार्मिक स्थलों पर हमलों के विरोध में 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। संविधान, सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता एवं नागरिक समानता की रक्षा तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किए जाने की घटनाओं के विरोध में विभिन्न मांगों को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कदौरा ने अपने साथियों के कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन के सौंपते हुए कहा कि देश के वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक परिदृश्य में संविधान के मूल सिद्धांतों, सामाजिक सौहार्द और नागरिक समानता पर हो रहे आघातों पर चिंता जताते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के नोटिस को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। कहा गया कि किसी भी विवाद का समाधान संवाद और उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए तथा महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही संविधान विरोधी कानूनों को वापस लेने, सीएए/यूसीसी/वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 जैसे कानूनों पर पुनर्विचार करने तथा संविधान के मूल ढांचे और बहुलतावादी पहचान की रक्षा की मांग की गई। ज्ञापन में धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 27, 28 और 29 का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पूजा, प्रबंधन, शिक्षा और संस्कृति के संवैधानिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप रोकने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि देश में सामाजिक सौहार्द, धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिक समानता बनाए रखने के लिए सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए तथा अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।इस मौके पर प्रमुख रूप से बहुजन मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामबाबू चौधरी, भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कदौरा के नेतृत्व में हरिओम प्रकाश कुशवाहा, बीआर कुशवाहा, आशाराम चौधरी, अमर सिंह, सत्यनारायण, एल. आर. अटल, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

रामकुंड कालौनी मे जल भराव की समस्या से बाशिंदे परेशान

सड़को पर वह रहा नाली का गंदा पानी,जानकारी मिलते ही पालिकाध्यक्ष पूरे लावलस्कर के साथ मौके पर पहुंचे

(यंग भारत न्यूज)

नगर पालिका क्षेत्र के नया पटेल नगर रामकुंड कालोनी में जलभराव और नालियों का गंदा पानी सड़कों पर जमा होने की खबर प्रमुखता से सामने आने के बाद मंगलवार दोपहर नगर पालिका प्रशासन सक्रिय हो गया। नगर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे तथा कालोनी का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं।निरीक्षण के दौरान कालोनीवासियों ने पालिका अध्यक्ष को बताया कि नालियों की समुचित सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के बाद गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है। इससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है और बदबू के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों ने वर्षों से चली आ रही इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की।

पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को जलभराव वाले स्थानों का तत्काल निरीक्षण कर पानी निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी नालियां अवरुद्ध हैं, उनकी तत्काल सफाई कराई जाए और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन लगाकर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी वार्ड में जलभराव की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।इस दौरान अधिकारियों ने भी कालोनी की स्थिति का जायजा लिया और जलनिकासी व्यवस्था को सुधारने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू करने की बात कही। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।वहीं, कालोनीवासियों ने उम्मीद जताई कि इस बार केवल आश्वासन नहीं बल्कि स्थायी समाधान होगा, जिससे वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या से उन्हें राहत मिल सकेगी।

राजेन्द्र नगर के जर्जर मार्ग की मरम्मत व पक्कीकरण की मांग

-मुहल्ला वासियों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा प्रार्थना पत्र

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के राजेन्द्र नगर वार्ड नंबर 21 में वन विभाग के पीछे मोहल्ले के मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर मोहल्लेवासियों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं पक्कीकरण कराए जाने की मांग की है। मुहल्ले के ही राधेलाल पाल, सुरेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, लखपत, मेहताब सिंह, जितेंद्र कुमार, विशाल चौधरी, विजय वर्मा आदि ने अपर जिलाधिकारी को बताया कि उनके आवागमन के लिए करमेर रोड और वन विभाग के पीछे से गुजरने वाला यही एकमात्र मुख्य मार्ग है। वर्तमान में सड़क पूरी तरह गड्ढायुक्त और जर्जर हो चुकी है। बरसात के कारण मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढों के साथ कीचड़ हो गया है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को पैदल चलने में भी दिक्कत हो रही है। स्कूली बच्चों के आवागमन के दौरान वाहन फिसलने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं रात के समय तथा आपातकालीन स्थिति में बाहरी वाहन और ई-रिक्शा भी इस मार्ग से निकलने में असमर्थ रहते हैं। उन्होंने बताया कि सड़क खराब होने के कारण करीब 200 से 300 परिवार प्रतिदिन परेशानी झेल रहे हैं। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मार्ग का शीघ्र सर्वे कराकर उसकी मरम्मत एवं पक्कीकरण कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

खाद्यान्न ना मिलने से परेशान उपभोक्ता ने पूर्ति निरीक्षक से की कोटेदार की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सरकार द्वारा गरीबों को मुक्त खाद्यान्न योजना उपलब्ध कराई जा रही है लेकिन कोटेदार अपनी हठ धार्मिता के चलते पात्र लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करने में आनाकानी करते हैं।परेशान राशन कार्ड धारक ने कोटेदार की शिकायत कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम ककरोली निवासी मुलू सिंह पुत्र हुकुम सिंह जो कि पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक है जिसका नंबर 216540258502 है लेकिन ग्राम की कोटेदार नीलम पत्नी बलवीर मुलू सिंह को लगातार टहला रहा है और तीन बार से गेंहू व चावल आदि खाद्यान्न नहीं दे रहा है और बहाना बनाकर टाल देता है जिस पर परेशान होकर मुलू सिंह ने मंगलवार को पूर्ति निरीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए उक्त कोटेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर खाद्यान्न सामग्री दिलवाई जाने की मांग की है।पूर्ती निरीक्षक ने प्रार्थनापत्र पर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

पत्थर गड्डी उखाड़कर फेंकने का महिला ने लगाया आरोप एसडीएम से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच दबंगों द्वारा खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं ऐसा ही एक मामला सामने आया है। ग्राम कमतरी की रहने वाली पीड़ित महिला लहार वाली पत्नी रामदास के ने एसडीएम को बताया कि उसकी आराजी नंबर 148 में पत्थर गड्डी हो गई थी और इसे करीब 11 वर्ष हो गए हैं प्रतिवादी गणों ने आयुक्त झांसी के यहां रिवीजन भी डाला था लेकिन वहां भी उक्त लोग हार गए लेकिन प्रतिपक्षी रेनका,कमल, माया ,रामकली और संपत सभी लोगों ने खेत मे लगे पत्थर उखाड़ कर फेंक दिए और लहार वाली की भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है।लहार वाली ने उपजिलाधिकारी अभिनव यादव को एक प्रार्थना पत्र देते हुए उक्त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

चंदकुआ चौराहे पर सपा छात्र सभा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर इस्तीफा मांगा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के चंदकुआं चौराहे पर मंगलवार दोपहर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष रामानंद कुशवाहा ने किया।प्रदर्शन के दौरान सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियों के कारण छात्र और युवा वर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। इसी के विरोध में उन्होंने चंदकुआं चौराहे पर एकत्र होकर अपना आक्रोश जताया और पुतला दहन किया।

जिलाध्यक्ष रामानंद कुशवाहा ने कहा कि छात्रों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है।जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार को गंभीर कदम उठाने चाहिए। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की।प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए चंदकुआं चौराहे पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि पूरा प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। सपा छात्र सभा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार ने शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।इस मौके पर समाजवादी छात्र सभा के शिवम यादव, माधव कुशवाहा, मुलायम सिंह, कौशल किशोर, प्रदीप अहिरवार, कार्तिक पटेल, हरिओम, मनीष सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम को प्रार्थनापत्र देकर रास्ता बनबाए जाने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एसआरपी इंटर कालेज के मैदान के पीछे तो सीसी रोड है लेकिन मलंगा नाला के किनारे एक रास्ता नहीं है जिसे उस क्षेत्र के रहने वाले लोग बनवाना चाहते हैं।इतना ही नही क्षेत्र के बाशिंदे आस्थाई रूप से पाइप डालकर आवागमन हेतु रास्ता बना रहे हैं क्योंकि बगैर रास्ते के बच्चे बरसात के मौसम में स्कूल नहीं जा पाते हैं और वृद्ध लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती है।एसडीएम को दिए प्रार्थनापत्र में लोगो ने बताया कि वही के रहने बाले सुनील पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम खैरी रास्ता बनाने से मना कर रहे है तथा झगड़े पर आमादा है

वारंटी पकड़ो अभियान के तहत पुलिस ने एक वारंटी को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पुलिस द्वारा चलाए जा रहे वारंटी पकड़ो अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।उक्त के संबंध में पुलिस ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देश पर चलाए गए बारंटी पकडो अभियान के तहत कोतवाल पुलिस ने सीओ परमेश्वर प्रसाद व कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह के निर्देशन में सागर चौकी प्रभारी सुमित पांडेय सिपाही अभिषेक सिंह, पवन सिंह ने एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त इरशाद अहमद उर्फ गब्बर उम्र 47 वर्ष पुत्र शौकत अली उर्फ लल्लू निवासी मुहल्ला पटेल नगर चंद्रकुआं को वाद संख्या 450/2025 धारा 128 द.प्र.सं. को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।जहां से उसे जेल भेज दिया गया

प्रतिष्ठित समझे जाने वाले होटल जायसवाल टावर मे 10 लाख के हनी ट्रैप मामले मे महिला सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

10 हज़ार रुपए खाते मे डलवाये और 10 लाख मदद लेकर आने की दी चेतावनी

- 10 लाख न देने पर होटल में बनाए गए अश्लील वीडियो को दी वायरल कर देने की धमकी

-औरी कोतवाली की पुलिस ने भागने का मौका दिए बगैर आरोपी महिला, और पुरुष को दबोच लिया

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जिले की पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए एक युवक को ब्लैकमेल कर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में एक महिला और उसके साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों के कब्जे से फर्जी प्रेस पहचान पत्र, माइक आईडी समेत अन्य दस्तावेज भी बरामद हुए हैं, जिनकी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, फतेहपुर जनपद के नासिरपुर निवासी राजेश कुमार सिंह उर्फ राजेश पाल ने शिकायत दर्ज कराई कि वह 18 जुलाई को कार्यवश उरई आए थे। 19 जुलाई की रात हमीरपुर जनपद के कुरारा थाना क्षेत्र के मवई गांव निवासी कौशल्या ने उन्हें फोन कर जरूरी बातचीत का बहाना बनाते हुए उरई स्थित एक होटल में बुलाया। शिकायत के मुताबिक, होटल के कमरे में पहुंचने के कुछ देर बाद गणेश सिंह पांडेय नामक युवक भी वहां पहुंच गया। आरोप है कि दोनों ने मिलकर आपत्तिजनक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की मांग की। भयवश पीड़ित ने आरोपियों द्वारा बताए गए खाते में 10 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद शेष 9.90 लाख रुपये कालपी बस स्टैंड पर लाकर देने का दबाव बनाया गया। पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में दबिश दी और महिला तथा उसके साथी गणेश सिंह पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी के पास से फर्जी प्रेस पहचान पत्र, माइक आईडी एवं अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इन दस्तावेजों का उपयोग कर आरोपियों ने पहले भी लोगों को ठगी या ब्लैकमेल का शिकार बनाया है या नहीं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में पुलिस का कहना हैं कि पीड़ित की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फर्जी पत्रकारिता और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है। यदि जांच में अन्य तथ्य सामने आते हैं तो आरोपियों के विरुद्ध और भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्रेक जाम होने से यात्री बस पलटी, दो घायल, बड़ा हादसा टला

(यंग भारत न्यूज)

उरई। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। विजय विक्रम होटल के पास ब्रेक जाम होने से जीके ट्रैवल्स की एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में दो यात्री घायल हो गए, जबकि बस में सवार अन्य सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार, जीके ट्रैवल्स की बस (संख्या Up-44 ZE-4999) मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे गोरखपुर से यात्रियों को लेकर ग्वालियर जा रही थी। बस में लगभग 30 यात्री सवार थे। विजय विक्रम होटल के समीप पहुंचते ही चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, लेकिन ब्रेक जाम हो जाने से बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा घायल दो यात्रियों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण बस के ब्रेक जाम होना सामने आया है। मामले की जांच जारी है। समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू हो जाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

लेखपालों की बैठक में नवांगतुक एसडीएम ने दिये आवश्यक निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। मंगलवार को एसडीएम विनय कुमार मौर्य की अध्यक्षता में लेखपालों की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न हुई। मीटिंग में एसडीएम ने निर्देश दिये शासकीय कार्यों को गतिशीलता से निपटाया जाये।

तहसील सभागार में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी नायब तहसीलदार मुकेश कुमार की मौजूदगी में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये उपजिलाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य जल्द निपटाया जाये ।जिन किसानों की खतौनियों में जो भी कमियां हैं जैसे अंश,गलत नामो आदि को जल्द ठीक किया जाये ।बरासत के मामले किसी भी सूरत में लम्वित नहीं रहना चाहिए ।मीटिंग में आईजीआरएस के पुनर्जीवित प्रार्थना पत्रों के निस्तारण करने के लिये शासन के द्वारा जो नये नियम आये उसकी व्याख्या करके अवगत कराया है। कहा कि आईजीआईएस प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निदान किया जाये। शिकायत कर्ता का पक्ष जानकार उसकी संतुष्टि की जाये। कुरा बंटवारा की पत्रावली कि आख्या निर्धारित समय में न्यायालय में पेश की जाये। मीटिंग में राजस्व निरीक्षक राजेंद्र कुमार, प्रमोद दुवे,हरेंद्र सिंह सेंगर,सुरेश कुमार, लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष जयवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, राघवेन्द्र सिंह निरंजन, एसके महान,शिव मंगल पाठक, विभा,अमित कुशवाहा, प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, शैलेंद्र कुमार, सलीम खान,सैयद टीपू हाशमी, अब्दुल बाकी आदि ने मीटिंग में मौजूद रहे रहे।

युवक से मारपीट व कोबरा सिपाही से अभद्रता के आरोपी पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।सोमवार की रात गाली देने से मना करने पर एक युवक के साथ मोहल्ले के युवक ने मारपीट कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची कोबरा के टीम के पुलिस जवान द्वारा रोकने पर उसके साथ गाली गलौज कर थप्पड़ मार दिया। पीड़ित युवक व पुलिस के जवान के साथ गाली गलौज व मारपीट के साथ सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साथ ही युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कछोरन निवासी दीपक यादव ने पुलिस को बताया कि बीती 20 जुलाई को रात करीब रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने घर पर था। इसी दौरान मोहल्ले के ही शिवम उर्फ गुड्डू उसके घर के दरवाजे पर आ गए और तथा गाली गलौज करने लगे। गाली देने से मना करने पर वह मारपीट करने पर उतारू हो गया। बचने के लिए वह घर के अंदर चला गया तो शिवम पीछे से जबरन उसके घर में घुस आया और उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित ने बताया कि घटना की जानकारी उसने यूपी 112 को दी। मारपीट की शिकायत मिलने पर पीआरवी टीम में तैनात कांस्टेबल वेद प्रकाश अत्री, होमगार्ड जवान हरिओम तिवारी के साथ मौके पर पहुंच गए। कोबरा टीम ने गाली दे रहे शिवम उर्फ गुड्डू को जब गाली गलौज करने से मना किया। तो आरोपी ने पुलिस के साथ ही झगड़ा शुरू कर दिया और जवान को थप्पड़ मार दिया। कोबरा टीम मौके से आरोपी को पकड़कर कोतवाली ले आई। जहां उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया है जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि पीड़ित युवक की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है जहां से उसे जेल भेजा दिया गया है।

जालौन कोतवाली पुलिस ने दो दिन पूर्व चोरी के मामले का हुआ खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

-चोरी के आभूषण बरामद

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। दो दिन पूर्व हरकौती गांव में हुई चोरी की घटना के मामले में पुलिस ने चोरी का माल बेचने जा रहे युवक को पकड़ लिया है। पकड़ें गए युवक के पास से चोरी के आभूषण बरामद कर पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरकौती निवासी कृपाल ने सोमवार को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रविवार की रात गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम गोरा भूपका में उनके रिश्तेदार के यहां आयोजित छठी के प्रोग्राम में परिवार के सभी सदस्य गए थे। घर पर वह अकेला था। रात में वह घर के बाहर चारपाई पर सो गया। तभी अज्ञात चोर पीछे की दीवार फांदकर घर में घुस आए। चोरों ने कमरे और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कान के कुंडल, मंगलसूत्र, चांदी की झालर और चांदी की पायल चोरी कर लिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलश शुरू कर दी थी। रात में कोतवाल हरिशंकर चंद को सूचना मिली कि गायर हरकौती मोड़ पर एक संदिग्ध युवक वाहन का इंतजार कर चोरी का सामान बेचने के लिए जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस पुलिस ने घेराबंदी कर हरकौती गांव निवासी संदिग्ध विवेक कुमार को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके पास से सफेद पॉलिथिन में एक जोड़ी कान के कुंडल, एक पेंडल मंगलसूत्र, एक झालर पेटी और एक जोड़ी पायल बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने रविवार की रात गांव के ही कृपाल के घर का ताला तोड़कर कमरे में रखे बक्से से जेवरात चोरी किए थे, जिन्हें वह उरई में बेचने के लिए जा रहा था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बाराहीं देवी मंदिर के पीछे का गेट खुलवाने व मुख्य दरवाज़े से पार्किंग हटवाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बाराहीं देवी मंदिर के पीछे का गेट खुलवाने और मुख्य दरवाजे के सामने वाहन खड़े होने से रोकने के लिए नगरवासी ने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है।

नगर क्षेत्र निवासी विनय कुमार शुक्ला ने एसडीएम राकेश सोनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह प्राचीन सार्वजनिक बाराहीं देवी मंदिर में व्यवस्थापक है। वह काफी समय से बाराहीं देवी मंदिर में पूजा पाठ करते चले आ रहे हैं। इस मंदिर के पीछे का दरवाजा वर्ष 1934 से बना हुआ है। धन के अभाव में वहां गेट नहीं लग पाया है। आरोप लगाया कि इसका फायदा उठाकर नगर पालिका द्वारा पूर्व में वहां दीवार बनाकर एक कमरे का निर्माण करा दिया गया है। इसके साथ ही मंदिर के मुख्य गेट के सामने काफी लोग अपने अपने वाहन खड़े कर देते हैं। जब उन्हें वाहन खड़े करने से मना किया जाता है तो वह झगड़े पर आमादा हो जातू हैं। उन्होंने मंदिर का पीछे का दरवाजा खुलवाने और मंदिर के गेट के सामने वाहन खड़े करने वाले लोगों को रोकें जाने की मांग एसडीएम से की है।

दो हार्वेस्टर बैटरियों की चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। थाना सिरसाकलार पुलिस ने हार्वेस्टर की बैटरियां चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो अदद हार्वेस्टर बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को पंकज नामक व्यक्ति ने थाना सिरसाकलार में हार्वेस्टर की दो बैटरियां चोरी होने की तहरीर दी थी। इस संबंध में थाना सिरसाकलार में मुकदमा अपराध संख्या 79/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना सिरसाकलार पुलिस ने 21 जुलाई को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो युवकों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की दोनों हार्वेस्टर बैटरियां बरामद कर ली गईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल भास्कर (19 वर्ष) पुत्र जय सिंह तथा अखिलेश (22 वर्ष) पुत्र राजेश भास्कर, निवासी ग्राम छानी अहीर, थाना सिरसाकलार, जनपद जालौन के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। कार्रवाई थाना सिरसाकलार प्रभारी एवं उनकी पुलिस टीम द्वारा की गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में आर्थिक तंगी से परेशान मजदूर का शव स्कूल के बाहर पेड़ से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र के उरसरांगव गांव में सोमवार शाम एक 50 वर्षीय मजदूर का शव सरकारी प्राथमिक विद्यालय के बाहर बबूल के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

मृतक की पहचान विशाल सिंह यादव (50) निवासी उरसरांगव के रूप में हुई है। वह खेती और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार, वह लंबे समय से आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज के कारण मानसिक तनाव में थे। बताया गया कि सोमवार शाम विशाल सिंह गांव के प्राथमिक विद्यालय के बाहर स्थित बबूल के पेड़ के पास पहुंचे। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने उनका शव पेड़ से लटका देखा और तत्काल परिजनों व पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची उरई कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि विशाल सिंह मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी असामयिक मृत्यु से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर महिला को बदनाम करने पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई । सोशल मीडिया पर एक महिला के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसकी फोटो और वीडियो का दुरुपयोग करने तथा अश्लील भाषा का प्रयोग कर बदनाम करने के मामले में कोतवाली कालपी पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला उदनपुरा कालपी निवासिनी पीड़ित में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 19 जुलाई 2026 को उन्हें जानकारी मिली कि उनके नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उनकी फोटो और वीडियो अपलोड किए गए हैं। आरोप है कि उक्त आईडी के माध्यम से अश्लील भाषा का प्रयोग कर उनकी छवि धूमिल करने और सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया ।पीड़िता ने अपनी तहरीर में आरोपी आदित्य सिंह वर्मा पुत्र सुरेंद्र वर्मा, निवासी मोहल्ला छजमनपुरा, कस्बा, कोतवाली एवं जनपद महोबा को नामजद करते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है ।इस मामले की बिबेचना कोतवाली कालपी के अतिरिक्त क्राइम इंस्पेक्टर अवनीश कुमार के द्वारा शुरू कर दी गई है।

तहसील के अंदर बने शिव मंदिर की नियमित साफ सफाई कराने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।तहसील के अंदर बने शिव मंदिर की नियमित साफ सफाई न होने और व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए नगर के लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

नगर क्षेत्र निवासी अनुपम अग्रवाल, राशि औदीच्य आदि ने एसडीएम राकेश सोनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि पुराने तहसील भवन में जालौन की महारानी ताई बाई के समय का प्राचीन शिव मंदिर स्थापित है। यह मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है। कई भक्त इस मंदिर में प्रतिदिन पूजा अर्चना के लिए आते हैं। साथ ही सावन माह में अधिक लोग इस प्राचीन मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं। लेकिन इस मंदिर में जानवर घुस जाते हैं और गंदगी फैलाते हैं। मंदिर की नियमित साफ सफाई भी नहीं होती है। जिसके चलते भक्तों को परेशान होना पड़ता है। कुछ दिनों बाद सावन का महीना आने वाला है। ऐसे में इस मंदिर में लोगों का आना जाना भी बढ़ेगा। उन्होंने इस मंदिर की नियमित साफ सफाई कराने और जानवरों को घुसने से रोकने के लिए उचित व्यवस्था कराने की मांग एसडीएम से की है।

बरसात में सड़क पर नहीं दिखना चाहिए एक भी निराश्रित गोवंश, गौ संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अधिक से अधिक गोवंश सुपुर्दगी के निर्देश, गोशालाओं में चारा, पानी व साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में गौ संरक्षण एवं गौ संवर्धन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नोडल अधिकारी (जिला विकास अधिकारी) को निर्देशित करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में जनपद की किसी भी सड़क पर एक भी निराश्रित गोवंश दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि कहीं भी गोवंश सड़क पर घूमता मिला तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन गौशालाओं का मर्जर किया गया है, वहां समस्त गोवंशों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी गोवंश गौशाला से बाहर न निकलने पाए। सभी गौशालाओं में नियमित साफ-

सफाई, स्वच्छ पेयजल, हरे चारे, भूसे, चना, चोकर सहित अन्य आवश्यक पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता हर समय बनी रहे, जिससे गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि 20 जुलाई से 3 अगस्त तक संचालित मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र कृषकों को गोवंश सुपुर्द किए जाएं, जिससे निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को और मजबूती मिल सके। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत अब तक सुपुर्द किए गए सभी गोवंशों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, समस्त उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे सैकड़ों पर

- आंदोलनकारियों में दिखा केंद्र की मोदी सरकार के प्रति आक्रोश, विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर की नारेबाजी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। पेपर लीक मामले को लेकर मंगलवार की शाम सैकड़ों लोगों ने जिला मुख्यालय उरई की सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पेपर लीक प्रकरण में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों ने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों से छात्रों और युवाओं के भविष्य पर गंभीर संकट खड़ा हो रहा है। परीक्षाओं की तैयारी में महीनों मेहनत करने वाले छात्र-छात्राओं को पेपर लीक होने से निराशा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार को परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों में केंद्र की मोदी सरकार के प्रति खासा आक्रोश दिखाई दिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ ही पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के चलते सड़कों पर काफी देर तक माहौल गरमाया रहा। बताते चलें कि केन्द्र सरकार के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग एवं दिल्ली के जंतर-मंतर में छात्रा-छात्राओं के साथ पुलिस द्वारा गयी लाठी चार्ज के विरोध में मंगलवार की शाम सैकड़ों लोगों ने शहर के टाऊन हॉल मैदान से जुलूस निकाला इस दौरान प्रदर्शनकारी अपने अपने हाथों तख्तियां लिए हुए थे जिसमें केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करतें हुए नजर आ रहे थे। आंदोलनकारियों के जुलूस के साथ में सुरक्षा की लिहाज से भारी पुलिसबल साथ चल रहा था।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

- भाकियू राष्ट्रीय महासचिव राजीव सिंह जादौन के नेतृत्व में किसान पहुंचे कलेक्ट्रेट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन के नेतृत्व किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने फसल बीमा, बिजली, खाद-बीज, खराब फसलों के सर्वे एवं सरकारी गेहूं खरीद केंद्रों से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

किसान नेताओं ने कहा कि फसल बीमा कंपनी द्वारा किसानों के खातों से प्रीमियम की धनराशि काटे जाने के बावजूद अनेक किसानों को बीमा राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने मांग की कि किसानों की सूची जारी कर पात्र किसानों को तत्काल बीमा राशि दिलाई जाए। ज्ञापन में गांवों में जर्जर विद्युत तारों एवं लो-वोल्टेज की समस्या का भी मुद्दा उठाया गया। किसानों ने कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली की समस्या के कारण ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा तेज बारिश से खराब हुई खरीफ फसलों का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई। किसानों ने जनपद में संचालित सरकारी गेहूं खरीद केंद्रों पर किसानों को हो रही दिक्कतों को दूर कराने तथा सभी क्रय केंद्रों पर पारदर्शी तरीके से गेहूं खरीद सुनिश्चित कराने की मांग भी रखी।

ज्ञापन के माध्यम से किसानों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की गई। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के भारत सिंह विश्वकर्मा मंडल अध्यक्ष डकोर ब्लाक, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपाइयों ने किया प्रदर्शन, रिहाई की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। दिल्ली में सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की खबर को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश देखने को मिला। सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर के नेतृत्व में दर्जनों सपा कार्यकर्ताओं ने शहर के गांधी मार्केट स्थित गांधी चबूतरा पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया और धरना दिया।

इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव को तत्काल रिहा किए जाने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का सभी को अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे समाजवादी पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। धरने के दौरान कार्यकर्ताओं में केंद्र सरकार के प्रति खासा आक्रोश दिखाई दिया। सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मजबूती से खड़े हैं और उनके सम्मान एवं अधिकारों की लड़ाई को सड़क से लेकर सदन तक जारी रखा जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक फरार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कोतवाली उरई क्षेत्र में झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे-27 पर मंगलवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान कालपी कोतवाली क्षेत्र के बैरई गांव निवासी चांद खान (35) के रूप में हुई है। वह गांव में किराने की दुकान चलाते थे। मंगलवार सुबह किसी आवश्यक कार्य से बैरई से उरई जा रहे थे। जैसे ही वह उरई कोतवाली क्षेत्र में नवीन गल्ला मंडी के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चांद खान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। चांद खान अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार वह परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और आर्थिक संकट भी गहरा गया है।

अजनारी बड़ा में बंद पड़ी गौशाला को दोबारा शुरू कराने की मांग

ग्राम प्रधान साधना पति ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। डकोर विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत अजनारी बड़ेरा की प्रधान साधना पति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेंट कर गांव में बंद पड़ी गौशाला को पुनः शुरू कराने की मांग की है। प्रधान ने पत्र में बताया कि विगत दिनों आंधी-तूफान के कारण गौशाला के टीनशेड उड़ गए थे, जिससे गौशाला क्षतिग्रस्त हो गई और वर्तमान में बंद पड़ी है। इसके चलते गांव में आवारा गोवंश की संख्या लगातार बढ़ रही है जिससे क्षेत्र का किसान परेशान हैं।

प्रधान पति के अनुसार आवारा गोवंश किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में गौवंश की संख्या अधिक होने के कारण समस्या गंभीर होती जा रही है। प्रधान साधना पति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि अजनारी बड़ेरा की बंद पड़ी गौशाला को पुनः चालू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आवारा गोवंश को संरक्षित किया जा सके और किसानों को फसल नुकसान से राहत मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत अजनारी बड़ेरा के आसपास कोई गौशाला नहीं है जिसको चालू करवायें जाने की मांग उठाई है जिससे निकट भविष्य में किसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो सके और सही तरीके से गौवंशो का संरक्षण किया जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन कोतवाली क्षेत्र के पनहेरा गांव की रहने वाली 16 वर्षीय सालनी प्रजापति पुत्री राकेश प्रजापति ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर के किचन में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि सालनी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

पीआरडी जवानों ने विभागीय बजट व गैर विभागीय ड्यूटी के भुगतान की मांग को लेकर एडीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। पीआरडी जवानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पीआरडी जिलाध्यक्ष उमेश परिहार के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जिले में वर्तमान में जिला युवा कल्याण अधिकारी का पद रिक्त है, जिससे पीआरडी जवानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जवानों ने मांग की कि जिले में स्वच्छ छवि वाले गैर विभागीय राजपत्रित अधिकारी अथवा जिला युवा कल्याण अधिकारी की तैनाती की जाए। ज्ञापन में बताया गया कि जालौन जिले का क्षेत्र काफी बड़ा है और माधौगढ़, रामपुरा, कुठौंद, नदीगांव, महेवा, कदौरा, कोंच व डकोर ब्लॉक सहित दूर-दराज क्षेत्रों से पीआरडी जवान ड्यूटी करने आते हैं। कई जवानों को ड्यूटी के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उन्हें अपनी जेब से पेट्रोल का खर्च वहन करना पड़ता है। पीआरडी जवानों ने कहा कि 15,000 रुपए मानदेय पाने वाले जवानों को समय से भुगतान कराया जाए तथा विभागीय बजट ड्यूटी एवं गैर विभागीय ड्यूटी का भुगतान भी शीघ्र कराया जाए। साथ ही जिला स्तर पर किसी राजपत्रित अधिकारी को पीआरडी जवानों की समस्याओं के समाधान के लिए तैनात करने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में पीआरडी जिलाध्यक्ष उमेश परिहार, शीला देवी, राधा देवी, कमलेश कुमारी, साधना, नारायण दास, दिनेशचंद्र, शिव कुमारी, हरी सिंह, मनोरमा, अशोक कुमार, राजेन्द्र कुमार सहित जनपद के समस्त पीआरडी जवान मौजूद रहे।

रामपुरा में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, नौ वाहन सीज, दस के चालान

(यंग भारत न्यूज)

उरई/रामपुरा। जिले के रामपुरा क्षेत्र में परिवहन विभाग ने मंगलवार को 'ऑपरेशन कवच' अभियान के तहत अवैध एवं नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। पीटीओ आनंद राय के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान दो स्लीपर बसों सहित कुल नौ वाहनों को सीज कर दिया गया, जबकि दस अन्य वाहनों के चालान किए गए।

अभियान के दौरान बिना वैध परमिट, टैक्स एवं आवश्यक दस्तावेजों के संचालन कर रहे वाहनों की गहन जांच की गई। परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त किया तथा चालान की कार्रवाई भी की। पीटीओ आनंद राय ने बताया कि अभियान का उद्देश्य अवैध रूप से संचालित वाहनों पर प्रभावी रोक लगाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने वाहन मालिकों एवं संचालकों से अपील की कि सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें तथा वैध परमिट के साथ ही वाहनों का संचालन करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

52 साल के ठरकी ने मुझे इतना किस किया, मेरे बाप ने इतनी चुम्मी नहीं ली', 30 साल की मॉडल का सनसनीखेज खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इन दिनों रिएलिटी शो 'लॉकअप 2' ने हंगामा मचा रखा है। ये शो पहले दिन से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो में हर दिन किसी ना किसी चीज को लेकर कंटेस्टेंट्स के बीच जबरदस्त बहस हो जाती है। फिलहाल 52 साल के एक्टर राम कपूर को लेकर एक सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल शो में कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रहे राम कपूर पर एक दूसरी कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने तीखी टिप्पणी कर दी है।

कंटेस्टेंट श्रेया कालरा का कहना है कि शो में राम कपूर उन्हें जबरन, बार-बार किस करते हैं, जो कि उन्हें अच्छा नहीं लगता है। राम कपूर के लगातार किस करने की घटना को लेकर अब श्रेया कालरा का गुस्सा फूट पड़ा है। टास्क जिताने के बाद गालों और माथे पर किस किए जाने से नाराज श्रेया कालरा ने न सिर्फ राम कपूर को पर्सनल बाउंड्री में रहने की वॉर्निंग दी है बल्कि सोशल मीडिया पर भी इस 'किसिंग कंट्रोवर्सी' ने बवाल काट दिया है। -आपको बता दें कि रिएलिटी शो 'लॉकअप 2' में कंटेस्टेंट्स के बीच का माहौल हर बीतते दिन के साथ और भी पेचीदा होता जा रहा है। खासकर श्रेया कालरा और टीवी एक्टर राम कपूर के बीच की बॉन्डिंग और ट्यूनिंग पल-पल बदलती दिख रही है। कभी दोनों साथ खेलते दिखाई दिए थे, वहीं अब श्रेया एक्टर के खिलाफ बात करती नजर आती हैं। जानकारी के अनुसार शो में पिछले हफ्ते राम कपूर और श्रेया कालरा ने साथ मिलकर एक टास्क खेला था। इस टास्क में श्रेया कंट्रोलर थीं और राम कपूर डिपेंडेंट थे। राम कपूर को बेघर होने से बचाने के लिए श्रेया ने पूरी ताकत लगा दी थी। उन्होंने टास्क जीतकर राम कपूर को शो में पूरी तरह से सेफ कर दिया था। -वहीं टास्क में मिली इस धमाकेदार जीत के बाद राम कपूर खुशी के मारे इतने एक्साइटेड हो गए थे कि उन्होंने श्रेया कालरा के गालों और माथे पर किस कर लिया था। उस वक्त तो श्रेया शांत रहीं लेकिन राम कपूर की इस हरकत ने अब शो के अंदर और बाहर एक हंगामा मचा दिया है।-वहीं अब शो के हालिया एपिसोड में राम कपूर के किस कांड को लेकर श्रेया कालरा का गुस्सा फूट पड़ा है। श्रेया कालरा ने कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की है। श्रेया ने बताया कि जब शिवांगी टास्क कर रही थीं, तब भी राम कपूर उनके काफी क्लोज आ गए थे। ऐसे में हर्षद को बीच में आकर उन्हें दूर करना पड़ा था। श्रेया ने गुस्से में राम कपूर को ठरकी बूढ़ा भी कहा है। -श्रेया कालरा ने राम कपूर के इस तरह के बर्ताव पर सीधे सवाल उठाया और कहा कि उन्हें अपनी पर्सनल बाउंड्री समझनी चाहिए। श्रेया ने भड़कते हुए कहा कि राम कपूर के लिए तीन-तीन टास्क जीते लेकिन उन्होंने मेरा जरा सा भी साथ नहीं दिया इसलिए ऐसे सीनियर का सम्मान करने का कोई मतलब ही नहीं बनता है। -शो की होस्ट का जिक्र करते हुए श्रेया कालरा ने कहा कि अगर वीकेंड पर फराह खान उनसे इस बारे में बात करेंगी, तो वो बिना झिझक सबके सामने सारा सच बता देंगी। श्रेया ने साफ कर दिया कि सीनियर होने के नाम पर कोई कुछ भी करे, ये अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।-अब राम कपूर की पत्नी एक्ट्रेस गौतमी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करके पति का बचाव किया है। गौतमी ने कहा है- मेरे पति राम कपूर बहुत नेक दिल इंसान हैं। मैंने असल में 'लॉकअप 2' शो के बारे में कुछ न बोलने का फैसला किया था लेकिन मुझे लगता है कि पिछले 2-3 दिनों की घटनाओं ने मुझे चुप रहने से रोक दिया है।-गौतमी कपूर ने कहा- मैं आज अपने पति की तरफ से बात करने आई हूं। बहुत से लोग उन्हें लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं और कमेंट्स कर रहे हैं कि वह घटिया हैं, ठरकी हैं या एक बूढ़े आदमी हैं जिनका कोई स्वार्थ है। तो मैं आप लोगों को बता दूं कि राम ऐसे ही हैं। मैं उनके इस स्वभाव का बचाव नहीं कर रही हूं। वह बिना किसी स्ट्रैटेजी या प्लान के उस रिएलिटी शो में गए थे। ऐसे में मुझे लगता है कि वही चीज लोगों को दिखाई दे रही है।-गौतमी कपूर ने आगे कहा- अगर राम कपूर गलत हरकतें कर रहे होते, तो मुझे यकीन है कि शो के शुरुआती दिनों में ही बाकी कंटेस्टेंट्स ने उन्हें टोका होता। उन्हें रुके हुए लगभग 4-5 हफ्ते हो चुके हैं, तो अचानक अब इतना हंगामा क्यों हो रहा है और लोग इस बारे में क्यों बात कर रहे हैं? -गौतमी कपूर ने आखिर में कहा है- हम सिर्फ एडिट किया हुआ वर्जन ही देखते हैं। इसलिए ऐसे कड़े और जहरीले कमेंट्स करने से पहले, प्लीज ये समझें कि ये सब बातें हमारे परिवार तक भी पहुंचती हैं। इस बात का थोड़ा ध्यान रखें।

ससुराल में मौजूद था पत्नी का प्रेमी! आधी रात पति ने दोनों के बीच ऐसा क्या देखा? सुबह गांव में मच गया हंगामा

शादीशुदा पुरुष हो या फिर महिला, कुछ देर के लिए आनंद को तवज्जो देने वाले अक्सर नैतिकता के सामने नतमस्तक हो जा जाते हैं. पुरुष या महिला की यह कमजोरी यानी अवैध संबंध और विवाहेतर संबंध का रिश्ता अटूट विश्वास और परिवार की नींव को खोखला कर देता है.

इसका परिणाम बच्चों के भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर और समाज में मान-सम्मान की हानि के अलावा तलाक और भावनात्मक तनाव पर समाप्त होता है. अवैध संबंधों में लिप्त महिला और पुरुष को हमेशा पकड़े जाने का डर और तनाव बना रहता है. दिल्ली से 100 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित यूपी के बुलंदशहर में पत्नी के अवैध संबंध से परेशान पति की आत्महत्या का मामला सामने आया है. शिकायत मिलने पर पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है. पूरा मामला बुलंदशहर जिले के पहासू थाना क्षेत्र के गांव दीघी का है. युवक रिषीपाल नोएडा की निजी कंपनी में सीवर लाइन की सफाई का काम करता था. वह पिछले दिनों ससुराल गया था. इस बीच खबर आई कि रिषीपाल का शव रविवार (19 जुलाई, 2026) को सुबह उसकी ससुराल दीघी में घर पर फांसी पर लटका मिला. आरोप है कि रिषीपाल की पत्नी के गांव मुतेना थाना दनकौर जिला गौतमबुद्धनगर के रहने वाले सोनू से अवैध संबंध बन गए थे. पत्नी ने रिषीपाल को एक तरह से छोड़ दिया था और वह पिछले दो वर्षों से अपने तीन बच्चों के साथ मायके में ही रह रही थी. रिषीपाल को यह जानकारी हो गई थी कि उसके सोने नाम के युवक से अवैध संबंध हैं. ऐसे में इस बात को लेकर पति-पत्नी में अक्सर झगड़ा होता था. उधर, रिषीपाल के परिजनों के हंगामे के बाद पुलिस ने भाई बालकिशन की शिकायत पर पत्नी,उसके प्रेमी तथा सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और बाद में गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस की जांच जारी है

और वह पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि रिषीपाल के भाई बालकिशन की शिकायत पर पत्नी, प्रेमी, सास व बहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। बालकिशन का कहना है कि उसके भाई रिषीपाल की पत्नी प्रीति और प्रेमी सोनू द्वारा प्रताड़ित किये जाने के बाद उसके भाई ने ससुराल में आत्महत्या कर ली.

बहू के साथ सालों से रेप कर रहा था ससुर, बेटे को नहीं जाने देता था पास, पीड़िता ने भाई को बताई आपबीती तो....

(यंग भारत न्यूज)

राजस्थान के अजमेर जिले में से एक ऐसी घटना सामने आई हैं जो आपको हिलाकर रख देगी। यहां ससुर और बहू का रिश्ता शर्मसार हो गया है, मानसिक रूप से कमजोर विवाहिता के साथ उसके ससुर ने लंबे समय तक कथित रूप से दुष्कर्म किया, आरोप है कि आरोपी द्वारा अपने बेटे को अपनी पत्नी के पास कमरे में भी नहीं जाने दिया जाता था, ऊपर से उसके साथ मारपीट की जाती है।

मीडिया रिपोटर्स की माने तो पुलिस के अनुसार, पीड़िता के भाई ने थाने में दी रिपोर्ट दी, जिसमें उसने आरोप लगाया कि उसकी बहन का विवाह वर्ष 2018 में हुआ था। वह मात्र 8वीं तक पढ़ी हुई है, शादी के बाद से ही उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। पीड़िता के भाई ने बताया कि शादी के बाद जब भी उसकी बहन घर आई तो उसका ससुर ही लेकर आता, मेरी बहन अक्सर डरी सहमी रहती, भाई ने कहा कि बहन के बेटी पैदा होने पर वह उसके ससुराल गया तो वहां पर उसके ससुर ने बताया कि आपकी बहन काम नहीं करती है, इसलिए उसे डांट देते हैं, वह मेरी कुछ भी बात नहीं मानती है. जिसके बाद मेरी बहन कोने में जाकर बुरी तरह से रोने लगी और जब मैं उसके पास गया तो वह पांव पकड़कर कहने लगी कि आप मुझे यहां से ले चलो। इसके बाद भाई ने पीड़ित बहन को अपने घर ले आया, भाई ने बताया कि उसने अपनी हैसियत के अनुरूप बहन का इलाज करवाया, कुछ दिन पहले उसने अपनी बहन का फिर से वापस ससुराल जाने को कहा तो उसने मना कर दिया और जोर-जोर से रोने लगी। जब उसके ससुराल के आसपास पड़ोसियों से पूछताछ की गई तो विवाहिता के साथ उसके ससुर द्वारा मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर दुष्कर्म करने की बात सामने आई। आसपास के लोगों ने पीड़िता के भाई को बताया कि 1-2 बार उन लोगों ने उसके ससुर को उसकी बहन के साथ आपत्तिजनक अवस्था में देखा है। मीडिया रिपोटर्स की माने तो थाना प्रभारी के मुताबिक, आसपास और पड़ोसियों के बताने पर जब भाई ने बहन से इस बारे में पूछा तो उसने चैंकाने वाली बात बताई, पीड़िता का ससुरा उसके साथ आए दिन दुष्कर्म करता था और उसके पति को कमरे में नहीं आने देता था, ऊपर से विवाहिता के पति के साथ मारपीट भी करता था, शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि पीड़िता की पुत्री का जन्म भी इसी कथित दुष्कर्म का परिणाम है।

लखनऊ नाइट सफारी का काम समय से आगे बढ़ाएं', सीएम योगी ने स्टेट ट्रांसफर्मेशन कमिशन की बैठक में दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लखनऊ नाइट सफारी परियोजना को 15 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिल गई है। इसकी सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर परियोजना को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए। सीएम ने राजधानी में विकसित हो रहे टेक्सटाइल पार्क को भी वस्त्र एवं परिधान उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम योगी ने सोमवार को स्टेट ट्रांसफर्मेशन कमिशन की बैठक में प्रदेश की फ्लैगशिप परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने जीरो पॉवर्टी अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि ट्रांसफर्मेशन कमिशन की विशेष टीम गठित कर पात्र परिवारों का अंत्योदय कार्ड बनवाया जाए। उन्हें आयुष्मान भारत, पीएम एवं सीएम आवास सहित सभी पात्र योजनाओं से चरणबद्ध रूप से जोड़ा जाए। प्रमुख एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 88.45 फीसदी, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 72.71 फीसदी, आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 63 फीसदी और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 59.35 फीसदी जमीन उपलब्ध हो चुकी है। सीएम ने मेरठ-हरिद्वार, विंध्य, विंध्य-पूर्वांचल और नोएडा-जेवर लिंक एक्सप्रेसवे सहित सभी प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए 31 जुलाई तक भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रेटर नोएडा में विकसित हो रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब एवं मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब की भी समीक्षा की गई। सीएम ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्बर के साथ ही जनसुरक्षा से जुड़े मनकों का कठोर अनुपालन भी हो। सभी शासकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा संस्थानों, जिला चिकित्सालयों और होटलों में वैध फायर एनओसी की समीक्षा करते हुए जहां आवश्यकता हो वहां तत्काल कार्रवाई कर फायर सेफ्टी के 100 प्रतिशत मानक पूरे करवाए जाएं। सीएम ने लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में सीवर लाइन एवं मैनहोल के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइनों को भी विभागों के आपसी समन्वय से शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

लापरवाही पर समाज कल्याण विभाग का कड़ा एक्शन, अब 11 बिंदुओं पर होगी विभागीय जांच

(यंग भारत न्यूज)

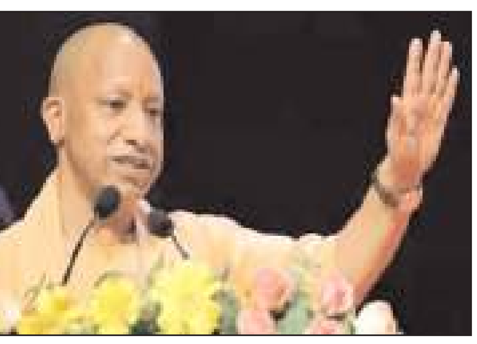

लखनऊ। भ्रष्टाचार आदि मामलों में विभागीय जांच के बाद जारी होने वाले दंडादेशों के न्यायालयों से निरस्त होने को समाज कल्याण विभाग ने गंभीरता से लिया है। विभाग ने जांच प्रक्रिया में बरती जाने वाली लापरवाही पर सख्ती शुरू कर दी है। सभी जांच अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिनमें 11 बिंदुओं के अनुसार जांच प्रक्रिया पूरी करने और निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन करने को कहा गया है।

विभाग के अनुसार विभागीय जांचों के निस्तारण में सामने आ रहा है कि कुछ जांच अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किए बिना जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जा रहे हैं। जिसके चलते प्रक्रियात्मक त्रुटियों के आधार पर न्यायालयों द्वारा विभागीय दंडादेश निरस्त कर दिए जाते हैं। इससे बहुत से मामलों में दोबारा विभागीय जांच करानी पड़ती है। इससे न केवल प्रशासनिक विश्वसनीयता प्रभावित होने के साथ समय और धन की भी बर्बादी होती है। इस संबंध में विशेष सचिव प्रवीण मिश्र की ओर से निदेशक समाज कल्याण को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 और 22 अप्रैल 2015 के शासनादेश में निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाए। निर्देशों में कहा गया है कि आरोप-पत्र स्पष्ट, विशिष्ट और अस्पष्टता रहित होना चाहिए। आरोपों के समर्थन में उपलब्ध सभी प्रासंगिक दस्तावेज और साक्ष्य संबंधित कर्मचारी को उपलब्ध कराए जाएं। यदि किसी कारण से प्रतियां देना संभव न हो तो अभिलेखों के निरीक्षण का पूरा अवसर दिया जाए और उसकी विधिवत कार्यवाही दर्ज की जाए।निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कर्मचारी आरोपों से इनकार करता है तो केवल लिखित जवाब के आधार पर जांच समाप्त नहीं की जा सकती। ऐसी स्थिति में नियमित मौखिक विभागीय जांच अनिवार्य होगी। विभागीय गवाहों के परीक्षण, उनके प्रतिपरीक्षण और कर्मचारी को अपने पक्ष में मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने का पूरा अवसर देना होगा।अंतिम निष्कर्ष से पहले व्यक्तिगत सुनवाई भी अनिवार्य रूप से कराई जाएगी। जांच अधिकारी प्रत्येक आरोप पर उपलब्ध साक्ष्यों का मूल्यांकन कर कारणयुक्त निष्कर्ष दर्ज करेंगे और स्पष्ट बताएंगे कि आरोप सिद्ध, आंशिक रूप से सिद्ध अथवा असिद्ध है।यह भी दोहराया गया है कि विभागीय जांच में आरोप सिद्ध करने का भार पूरी तरह विभाग पर होगा, कर्मचारी पर स्वयं को निर्दोष साबित करने का दायित्व नहीं डाला जा सकता। विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि जांच की प्रत्येक कार्यवाही का तिथि, समय और स्थान सहित विधिवत अभिलेखीकरण किया जाए, गवाहों के बयान, दस्तावेज, प्रदर्श और कार्यवाही पत्रक क्रमबद्ध व प्रमाणित रूप में संलग्न किए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पूरी जांच प्रक्रिया की वैधानिकता प्रमाणित की जा सके।

तुझे भी कलमा पढ़ाकर मुस्लिम बना देंगे', अमरोहा में अस्पताल संचालक ने दलित नर्स की जिंदगी की बर्बाद, कन्वर्जन के बाद किया निकाह!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के संचालक पर दलित नर्स का कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करने का आरोप लगा हैपीड़ित परिवार के अस्पताल के बाहर धरने पर बैठने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है. परिजनों का आरोप है कि युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया, जबकि उसकी शादी पहले से तय थी. पुलिस अब आरोपी और लापता युवती की तलाश में जुटी है.

मामला अमरोहा के हसनपुर थाना क्षेत्र स्थित साईं जीवनदान अस्पताल का है. सैदनगली के उझारी निवासी पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनकी बेटी इसी अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती थी. परिवार के मुताबिक युवती का विवाह तय हो चुका था, लेकिन इसकी जानकारी मिलने के बाद अस्पताल संचालक ने पहले लड़के वालों को भड़काया और फिर युवती को अपने साथ लेकर फरार हो गया. जब परिवार को कोई मदद नहीं मिली तो उन्होंने अस्पताल के बाहर धरना शुरू किया. इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी. परिजनों का आरोप है कि अस्पताल संचालक ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर साईं जीवनदान अस्पताल का संचालन किया. उनका कहना है कि बेटी के बारे में जानकारी लेने जब परिवार अस्पताल पहुंचा तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ अभद्रता की. पीड़ित पक्ष का आरोप है कि स्टाफ ने पिता को धमकाते हुए कहा, 'चला जा, नहीं तो तुझे भी यहीं कलमा पढ़ाकर मुस्लिम बना देंगे.' परिवार का यह भी आरोप है कि अस्पताल में लव जाल फैलाने और गौकशी जैसी गतिविधियां भी होती हैं. हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर अस्पताल संचालक के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है. एफआईआर में जातिसूचक शब्द कहने, धर्म परिवर्तन कराने और अन्य आरोपों का भी उल्लेख किया गया है. परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी को सुरक्षित वापस लाया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए. पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों की जांच की जा रही है. अब इस मामले के सामने आने के बाद अमरोहा में निजी अस्पतालों के संचालन और उनकी निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. पुलिस ने आरोपी अस्पताल संचालक की तलाश तेज कर दी है और लापता युवती की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

मोदी चाहते तो 2 मिनट में तबाह हो जाता पाकिस्तान', इमरान खान की बहन के इस बयान से मची खलबली

(यंग भारत न्यूज)

पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारों और सैन्य महकमे में इस समय भूचाल आया हुआ है। वजह बने हैं पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी के कुछ ऐसे सनसनीखेज दावे, जिन्होंने देश की फौज और हुक्मरानों की नींद उड़ा दी है।

नूरीन ने पाकिस्तानी सेना पर सीधे तौर पर हमला बोलते हुए बहुत बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की जबरदस्त हार हुई थी, लेकिन अपनी इस नाकामी पर पर्दा डालने के लिए सेना ने देश की जनता के सामने जीत की एक झूठी और मनगढ़ंत कहानी परोस दी। इस धमाकेदार बयान के सामने आने के बाद से ही पाकिस्तान का पूरा हुक्मरान वर्ग बेहद असहज नजर आ रहा है। एक इंटरव्यू के दौरान खुलकर बात करते हुए नूरीन नियाजी ने बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि चार दिनों तक चले इस सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तानी जनरलों और सरकार ने देश की भोली-भाली जनता के सामने जो तस्वीर पेश की थी, हकीकत उससे कोसों दूर थी। उनका साफ तौर पर यह मानना है कि भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरी तरह से कामयाब रहा था और पाकिस्तानी फौज अपनी पोल खुलने के डर से अपनी इस ऐतिहासिक नाकामी को छुपाने की असफल कोशिश कर रही है। नूरीन नियाजी का यह बयान आग की तरह फैल गया, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी एक्शन मोड में आ गई। एजेंसी ने बिना देर किए नूरीन नियाजी को आधिकारिक समन जारी कर दिया है और उनसे इस मामले में कड़ा जवाब तलब किया गया है। सरकारी नोटिस में उनके ऊपर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का कहना है कि नूरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देश की सेना और देश के अहम संस्थानों के खिलाफ पूरी तरह से झूठा, आपत्तिजनक और भड़काऊ कंटेंट शेयर किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी संस्थानों की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है। नूरीन ने अपने इस इंटरव्यू में एक और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने बताया कि इस सैन्य टकराव को, जिसे पाकिस्तानी हुकूमत ने 'मआरका-ए-हक' का नाम दिया था, और ज्यादा आगे बढ़ने से रोकने के लिए खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बीच-बचराव करना पड़ा था। नूरीन के मुताबिक, ट्रंप के इसी कड़े कूटनीतिक दखल की वजह से पाकिस्तानी नेतृत्व को अपनी साख बचाने का मौका मिल पाया। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि अगर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते, तो वे अपनी ताकत से सिर्फ 2 मिनट में पूरे पाकिस्तान को तबाह करके रख देते। नूरीन नियाजी के इन विस्फोटक बयानों के सामने आते ही सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के तमाम बड़े नेताओं ने उनकी कड़ी शब्दों में निंदा की है। सरकार का पक्ष रखते हुए नेताओं का कहना है कि नूरीन के ये बयान पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना हरकत हैं और यह सीधे तौर पर पाकिस्तान के राष्ट्रीय हितों तथा सेना के मनोबल को तोड़ने की एक गहरी साजिश का हिस्सा है। आपको बता दें कि इमरान खान के पहले से ही जेल में बंद होने की वजह से पाकिस्तान का राजनीतिक माहौल वैसे ही काफी गर्म था, और अब उनकी अपनी बहन के इस बयान ने जलती हुई आग में घी डालने का काम कर दिया है।

लगातार दूसरी बार एमबाप्पे के नाम गोल्डन बूट, रौड्री सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेन के गोलकीपर युनाइ सिमोन ने जीता 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार

ईस्ट रदरफोर्ड

फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में 'गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला।

स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड्री ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारसी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके।

स्पेन कप्तान रौड्री

स्पेन के कप्तान रौड्री ने जीता गोल्डन बॉल का खिताब

मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी, जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड्री को चुना गया। मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड्री ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे। वह यूएफा चैंपियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने वाले 11वें पुरुष खिलाड़ी बने।

अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज ने बनाया रिकॉर्ड

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने अपने साथियों की अधीरता के विपरीत बेहद धैर्य से काम लिया और यही वजह थी कि वह स्पेन के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में 11 बचाव करने में सफल रहे, जो टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का नया रिकॉर्ड है। लेकिन आखिर में एक मौके पर उनकी भी नहीं चल पाई और स्पेन ने इस मौके का फायदा उठाकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लेकिन अगर 2022 विश्व कप विजेता गोलकीपर मार्टिनेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया होता तो हार का अंतर इससे ज्यादा होता। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 11 बचाव किए। स्पेन लगातार हमला करता रहा, लगातार शॉट मारता रहा और आखिरकार एक गोल करके बढ़त बना ली, जिससे स्टेडियम में जोरदार जश्न का माहौल छा गया। स्पेन के प्रशंसक नाचने लगे, एक-दूसरे को गले लगाने लगे और ताजपोशी से पहले झंडा लहराने लगे।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने तय की 60 हजार मील की दूरी

न्यूयॉर्क। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने समाप्त हुए विश्व कप के दौरान लगभग 60 हजार मील की दूरी तय की और इस दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए। इन्फेंटिनो ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेले गए विश्व कप के दौरान तीन देशों के 16 शहरों का दौरा किया। उनकी यह यात्रा आखिर में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुई। इन्फेंटिनो ने टूर्नामेंट के दौरान विश्व कप के 44 मैच देखे। उन्होंने विश्व कप के सभी 16 स्टेडियमों में कम से कम एक मैच जरूर देखा। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में उन्होंने सर्वाधिक पांच मैच देखे। फीफा प्रमुख ने 13 दिन दो-दो मैच देखे और वह भी ऐसे स्टेडियमों में, जो सैकड़ों मील दूर स्थित थे। इस बीच उनके विमान ने 21 हवाई अड्डों से उड़ान भरी या उतरे। उत्तरा सेमीफाइनल तक उनके विमान ने 23 बार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। इन्फेंटिनो ने इस दौरान केवल मैच देखने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाने में 59,281 मील (95,402 किलोमीटर) की दूरी तय की। इसमें से 25 जून को 5,772 मील (9,289 किलोमीटर) तय की गई दूरी भी शामिल है। इसकी शुरुआत मियामी से डलास की सुबह की उड़ान से हुई। वहां से विमान सिएटल गया जहां इन्फेंटिनो ने मिस्र और ईरान का मैच देखा। उनका विमान उसी रात सिएटल से रवाना हुआ और अगली सुबह मियामी पहुंचा। इन्फेंटिनो ने वहां कोलंबिया और पुर्तगाल का मैच देखा।

वर्ल्ड कप के बेहतरीन रिकॉर्ड

1. हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी मेस्सी
2. नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने एमबाप्पे
3. लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बनी स्पेन
4. स्पेन, एक सीजन में सबसे कम गोल खाने वाली टीम
5. एमबाप्पे के वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल
6. 6 विश्व कप में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी बने रोनाल्डो
7. ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा हुए 215 गोल
8. स्पेन टीम के लुइस डे ला फुएंते सबसे उम्रदराज मैनेजर
9. एक संस्करण में हुए सबसे ज्यादा 308 गोल
10. एमबाप्पे बने लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी
11. 78 वर्षीय कोच डिक एडवोकाट बने सबसे उम्रदराज कोच
12. मेसी और रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी
13. केप वर्डे बना विश्व कप खेलने वाला सबसे छोटा देश

आखिरी मैच में बेनूर रहे मेस्सी

मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने-कोने में टेर सतटीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था- लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता वह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फैरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी सुपर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। मेस्सी लगातार दूसरी बार चैंपियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखें में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा। एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी।

नाथन स्मिथ ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब

शुभमन गिल और ऑलराउंडर मोसाद्देक को पीछे छोड़ा

दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे।

जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा : स्मिथ

नाथन स्मिथ ने कहा, यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पुरस्कार मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा।

डैनी वायट-हॉज ने जीता विमेंस 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड

इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट-हॉज को जून के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड का विजेता चुना गया है, जिन्होंने 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप' में शानदार प्रदर्शन किया था। डैनी ने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्रीचरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी डैनी इस खिताब को अपने नाम कर चुकी थीं।

दलीप ट्रॉफी : गायकवाड़ संभालेंगे वेस्ट जोन की कमान

नई दिल्ली

भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तानी सौंपी गई है। यह टीम जोनल सिलेक्शन कमिटी की बैठक के बाद घोषित की गई। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड्स पर खेला जाएगा। पिछले साल, भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वेस्ट जोन की कमान संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सेंट्रल जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल कर ली थी। अब, आगामी टूर्नामेंट के लिए कप्तानी की जिम्मा गायकवाड़ को सौंप दिया गया है।

> टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में खेला जाएगा

देसाई और पटेल स्पेशलिस्ट विकेटकीपर

वेस्ट जोन के खेमे में हार्दिक देसाई और उर्विल पटेल के रूप में दो स्पेशलिस्ट विकेटकीपर को शामिल किया गया है। गायकवाड़ के अलावा, पृथ्वी शॉ और खान बंधु (सरफराज और मुशीर) भी टीम में हैं। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी उप-कप्तान मुलानी, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी विभाग में ठाकुर के साथ-साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ शामिल हैं।

वनडे सीरीज : न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत, श्रृंखला की अपने नाम

ब्रिजटाउन

मार्क चैपमैन ने 80 रन बनाए और मिचेल सैंटनर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छा तालमेल बिठाया, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज पर 1 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जब तीन रन की जरूरत थी और एक विकेट हाथ में था, तभी सैंटनर को जीवनदान मिला। अंतिम बल्लेबाज जेडन लेनोक्स विकेटकीपर के हाथों कैच आउट और एलबीडब्ल्यू के लिए 'रिव्यू' से बचे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 35 गेंदें शेष रहते वेस्टइंडीज के 188 (सभी आउट) के स्कोर को 9 विकेट खोकर पार कर दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने 45वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाया। वह 34 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे वेस्टइंडीज की सीरीज बराबर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

रोहित ने हमें संन्यास के बारे में कुछ नहीं बताया : शुभमन

लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को लेकर उनसे कोई बात नहीं की है, जिनके संन्यास को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था। गिल से पूछा गया कि क्या रोहित ने उन्हें अपने भविष्य को लेकर कुछ संकेत दिया है। गिल ने कहा, हमें उनसे बात करने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने (रोहित ने) हमें कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि सारी बातें मीडिया में आ चुकी हैं। लेकिन इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। गिल ने कहा, 'रोहित भाई ने बड़े ही शानदार तरीके से पारी को संवारा। मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर से उनकी बल्लेबाजी देख रहा था।

आज से चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू के कंधों पर भारतीय चुनौती, सात्विक-चिराग बाहर

चांगझू

स्टार शटलर पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी लेकिन पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कंधे की चोट से उबर रहे सात्विक के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर पिछले सप्ताह के शानदार प्रदर्शन की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। सिंधू लगभग दो वर्ष बाद जापान ओपन का खिताब जीतकर बेहतरीन लय में चीन पहुंची हैं।

सिंधू और उन्नति में होगा मुकाबला

सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन उन्नति हुड्डा के खिलाफ करेंगी। दूसरे दौर में उनका सामना तीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से हो सकता है। महिला एकल में भारत की अन्य खिलाड़ी देविका सिहाग अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गद्दे की जोड़ी का सामना पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुणन और एम आर अर्जुन की जोड़ी अपने पहले मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से भिड़ेगी।

जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे लक्ष्य

पुरुष एकल में भारत की चुनौती का जिम्मा लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और अनुभवी एचएस प्रणय संभालेंगे। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा, प्रणय पहले दौर में मलेशिया के लिओंग जुन हाओ से खेलेंगे। मिश्रित युगल में भारत की उम्मीदें तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी पर टिकी होंगी, जिनका पहले दौर में चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से मुकाबला होगा।

भारतीय अंडर-19 टीम की दमदार बल्लेबाजी, ओझा का नाबाद शतक

कोलंबो

भारत की अंडर-19 टीम ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में जारी दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। शुरुआती दिन सिर्फ 65 ओवरों का खेल हुआ, जिसमें मेहमान टीम ने 3 विकेट खोकर 253 रन बनाए।

बारिश के बाद गीली आउटफील्ड के कारण इस चार दिवसीय मुकाबले के टॉस में काफी देरी हुई, जिसके बाद श्रीलंकाई कप्तान विमथ दिनसारा ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेहमान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, जिसने 6 ओवरों की समाप्ति तक लक्ष्य राजेश रायचंदानी (0) और सागर विर्क (0) के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। उस समय तक टीम का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने कप्तान यशवर्धन चौहान के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 गेंदों में 122 रन जोड़कर पारी को संभाला। यशवर्धन चौहान 89 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कुशाग्र ने मनन चौहान के साथ पारी को आगे बढ़ाया। पहले दिन की समाप्ति तक इस जोड़ी के बीच 210 गेंदों में 131 रन की साझेदारी हो गई थी। विपक्षी खेमे से विहान मेंडिस 42 रन देकर 2 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि सेथमिका सेनेविरत्ने ने 1 विकेट चटकाया है। श्रीलंका ने तीन मुकाबलों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी, जिसके बाद अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा।

हर किसी की जिंदगी में कोई ना कोई ऐसी घटना घटित होती है या वह किसी ऐसे बुरे अनुभव से गुजरता है, उसका जीवन पर गहरा असर पड़ता है, बहुत ही दुखदायी, पीड़ाजनक। लेकिन इसका असर पूरी जिंदगी भर रहे, इंसान अकेला होकर जीवन जीने लगे, उदासी-निराशा से घिरा रहे, यह स्थिति स्वयं के लिए चिंताजनक है। किसी भी दर्द-तकलीफ को जीवन का अंतिम सत्य नहीं मान लेना चाहिए।

किसी बुरे अनुभव का असर क्यों रहे जिंदगी भर

कवर स्टोरी

स्नेहा सिंह

जीवन में कभी-कभी कोई दर्दनाक घटना या बुरा अनुभव हमारे भीतर गहरे तक बैठ जाता है। यह बुरा अनुभव धोखा, असफल विवाह, विश्वासघात या किसी अपने का साथ छूट जाना हो सकता है। ये बातें केवल उस पल तक सीमित नहीं रहतीं, अकसर हमारे वर्तमान और भविष्य पर भी असर डालती हैं। हम भारी तनाव से घिर जाते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे लोगों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है, जो अपने अतीत के कड़वे अनुभवों से बाहर नहीं निकल पाते।

नई आशाएं बनाए रखें

सवाल यह है कि क्या एक बुरा अनुभव ताउम्र के लिए एक फैसला हो जाती है? बिल्कुल नहीं। सावधानी जरूरी है, लेकिन डर के कारण जीवन के सारे दरवाजे बंद कर देना समझदारी नहीं है। यदि कभी कोई रिश्ता टूट गया, विश्वास बिखर गया या जीवन में कोई कठिन मोड़ आया, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आगे भी हर रास्ता ऐसा ही होगा। हर नया दिन नई आशाएं और संभावनाएं लेकर आता है। गहना का ही उदाहरण लें, उसकी अपने परिवार की पसंद से हार्दिक से अरेंज मैरिज हुई। हार्दिक पढ़ा-लिखा, सुलझा हुआ और उसे व्यवहार कुशल भी लगा। गहना ने बिना ज्यादा कुछ सोचे, रिश्ते के लिए हां कह दी। सगाई के कुछ ही महीनों बाद विवाह हो गया। लेकिन शादी के बाद हार्दिक का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह गहना की भावनाओं की कोई परवाह नहीं करता था। देर रात घर लौटता, गहना से बातचीत नहीं करता, उसके हाथ का बना खाना नहीं खाता और हर समय दूरी बनाए रखता। पूरे एक साल तक गहना ने यह सब सहा, लेकिन एक दिन उसकी सहनशक्ति जवाब दे गई। उसने अपनी मां को फोन करके सारी बातें बताईं और बोली, 'अगर आप मुझे यहां से नहीं ले जाएंगी तो मैं किसी दिन अपनी जान दे दूंगी।' माता-पिता ससुराल आकर उसे अपने साथ ले गए। अंततः गहना और हार्दिक का तलाक हो गया, लेकिन कहानी वहीं खत्म नहीं हुई। मायके में भी उसे भाभी के तानों का सामना करना पड़ता। लगातार मानसिक पीड़ा से तंग आकर वह नौकरी खोजने के बहाने दूसरे शहर में शिफ्ट हो गई। वहां उसे बाहरी शांति तो मिली, लेकिन अकेलापन उसके साथ बना रहा। दोस्त उसे दोबारा जीवन शुरू करने और नया साथी चुनने की सलाह देते थे, लेकिन गहना अब किसी रिश्ते पर विश्वास करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। वह अपने जीवन से हताश-निराश हो चुकी थी। लेकिन कुछ समय बाद उसने अपने आप को संभाला, वह अकेलेपन से बाहर आई। लोगों से नए रिश्ते बनाए, पुराने रिश्तों से भी जुड़ी। उसने एक अच्छी जॉब ही नहीं खोजी, एक अच्छा जीवन साथी भी खोजा। आज वह अपने पति के साथ सुखी वैवाहिक जीवन बीता रही है। उसका एक तीन साल का बेटा भी है।

अकेलेपन से ऐसे बचें

किसी बुरे अनुभव से गुजरा व्यक्ति प्रायः हताश-निराश होकर लोगों से खुद को दूर करके अपने आपको अकेला कर लेता है, यह सही नहीं है। आप अपनों के बीच बनी रहें। अपनों का साथ हमें सुरक्षा, अपनापन और भावनात्मक संबल देता है। याद करें, जब आप युवावस्था में थीं, तब सखी-सहेलियों से सभी तरह की बातें साझा करते हुए कभी अपने आपको कमजोर महसूस नहीं करती थीं। सहेलियों की सलाह पर हर दर्द का सामना करती थीं, अकेलापन महसूस नहीं करती थीं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, आप और आपकी सहेलियां अपने-अपने परिवार और जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाती हैं। आपकी बातें साझा करने वाला कोई नहीं रह जाता है, लेकिन आपके पास नए रिश्ते तो होते ही हैं, इनमें जो आपके करीब हैं, विश्वसनीय हैं, उनसे अपनी तकलीफें शेयर करें, इससे आप एक हल्कापन महसूस करेंगी।

करिए नई शुरुआत

किसी बुरे अनुभव या हादसे से गुजरकर अपने आपको अकेलेपन में मत धकेलिए। कुछ समय तो अकेलेपन की इच्छा एक शांति, राहत दे सकती है, लेकिन यह इच्छा हमेशा नहीं बनी रहती। कुछ समय बाद मन किसी अपने की आवाज, किसी अपने का स्पर्श, किसी के साथ और अपनापन तलाशने लगता है। इंसान रिश्तों के बीच रहकर ही जीवंत रहता है, खुश रहता है। इसलिए आपको कोई दर्द मिला है तो उसे जीवन का अंतिम सत्य मत मानिए। अपने मन को समय दीजिए, स्वयं को संभालिए और जब लगे कि दिल फिर से भरपूर जिंदगी जीने को तैयार है, तब जीवन को एक और अवसर दीजिए। याद रखिए, किसी बुरे अनुभव का असर जिंदगी भर नहीं रहता। जीवन हर मोड़ पर नई उम्मीद लेकर आपका इंतजार करता है। बस जरूरत होती है, अपने भीतर के विश्वास को जगाने की, नई ऊर्जा के साथ अपनी जिंदगी जीने की।

अकेलापन घेरता है कई बीमारियों से

हमें कभी भी लंबे समय तक अकेलेपन से नहीं घिरे रहना चाहिए। जीवन में कुछ समय तो एकांत अच्छा लगता है, लेकिन लंबे समय तक अकेले रहना व्यक्ति के स्वभाव और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए सही नहीं है। इस तरह की स्थितियों में धीरे-धीरे इंसान लोगों से दूर होने लगता है। उसके भीतर चिड़चिड़ापन, उदासी और निराशा घर करने लगती है। बाहर से तो सब सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर का खालीपन लगातार उसे कमजोर करता रहता है। मनोविज्ञान भी मानता है कि लंबे समय तक अकेलापन कई मानसिक समस्याओं को जन्म देता है। इसलिए यदि आपको कोई भावनात्मक चोट मिली है तो उससे सबक लीजिए और अपने सुखी जीवन के सारे दरवाजे हमेशा के लिए बंद मत कीजिए। हर व्यक्ति एक जैसा नहीं होता। हर रिश्ता भी पिछले रिश्ते जैसा नहीं होता। थोड़ा समय लीजिए, अपने आपको संभालिए और फिर से लोगों पर, अपने आप पर विश्वास कीजिए। अच्छे साथी बनाइए। कभी-कभी एक सच्चा साथी जीवन के पुराने घावों पर मरहम की तरह काम करता है।

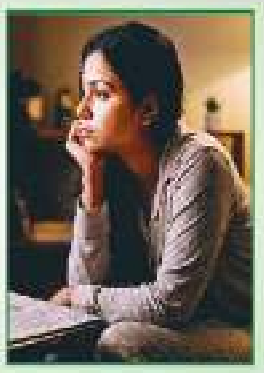

फिटनेस का नया साथी वियरेबल टेक्नोलॉजी

आज महिलाएं अपनी हेल्थ और फिटनेस को साइंटिफिक तरीके से समझना चाहती हैं। आइए, जानते हैं कि वियरेबल टेक्नोलॉजी किस प्रकार हेल्थ मैनेजमेंट को साइंटिफिक, ईजी और इफेक्टिव बनाती है?

फिटनेस गैजेट

मधु सिंह

अभी कुछ वर्षों पहले तक फिटनेस का मतलब केवल वजन कम करने या जिम जाने तक सीमित था, लेकिन आज महिलाएं अपनी संपूर्ण सेहत पर नजर रखती हैं, वियरेबल टेक्नोलॉजी के माध्यम से। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, बैंगलुरु जैसे महानगरों में आज वर्किंग वूमेन और युवतियों के बीच वियरेबल टेक्नोलॉजी तेजी से पॉपुलर हुई है। स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, स्मार्ट रिंग, ये कुछ ऐसे उपकरण हैं, जो अब केवल फैशन एक्सेसरीज नहीं हैं, पर्सनल हेल्थ एडवाइजर का रूप ले चुके हैं।

साइंटिफिक और बॉडी के अनुकूलः वियरेबल टेक्नोलॉजी फिटनेस का ऐसा तरीका है, जो ज्यादा साइंटिफिक और शरीर के ज्यादा अनुकूल है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण नींद के बिना कोई फिटनेस कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। वियरेबल डिवाइस ये बताते हैं कि व्यक्ति कितनी देर नींद में रहा, कितनी बार नींद टूटी और कुल मिलाकर कितना आराम मिला? यदि लगातार नींद खराब हो रही है, तो समय रहते जीवनशैली में बदलाव किए जा सकते हैं।

मूवमेंट और एक्टिविटीज की मॉनिटरिंगः वियरेबल टेक्नोलॉजी शरीर के विभिन्न पहलुओं की लगातार निगरानी करती है और यूजर्स को उसकी लगातार जानकारी देती है। एक छोटी सी स्मार्ट वाच के जरिए हम यह जान जाते हैं कि सुबह घर से निकलने के बाद शाम को घर तक पहुंचने के पहले हम कितने कदम चल चुके होते हैं। दिनभर में हम कितनी कैलोरी खर्च कर चुके हैं। कितनी देर बैठे रहे या कितनी देर एक्टिव रहे, इस सबका हिसाब इस वियरेबल टेक्नोलॉजी के पास रहता है।

पीरियड्स का रिकॉर्ड और सलाहः वियरेबल टेक्नोलॉजी की बदौलत आज महिलाएं अपने पीरियड्स का रिकॉर्ड ही शुद्धता से नहीं रखतीं बल्कि वो इस चक्र के शुरू होने और उसके बीच और अंत तक के संकेतों को अच्छी तरह से रिव्यू करके इस कठिन समय को अपने अनुकूल ढालती हैं, क्योंकि वियरेबल टेक्नोलॉजी उन्हें बता देती है कि पीरियड्स कब शुरू हो रहे हैं, किस-किस तरह की परेशानी होगी, क्या करें कि परेशानी कम हो।

मेंटल हेल्थ के प्रति करती है अवेयरः महिलाओं पर काम, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच मानसिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में नई पीढ़ी की स्मार्ट वॉच उनकी हृदय गति और अन्य संकेतों के आधार पर तनाव के स्तर का अनुमान लगाती है। कई डिवाइस तनाव बढ़ने पर गहरी सांस लेने या कुछ मिनटों तक आराम करने की सलाह देती है।

हर तरह के वर्कआउट का एनालिसिसः आज के स्मार्ट वॉच केवल चले गए कदम या आपकी दौड़ को ही नहीं मापती बल्कि योग, पिलेट्स, साइकिलिंग, तैराकी, नृत्य और हाई-इंटेंसिटी, इंटरवल ट्रेनिंग जैसे अनेक व्यायामों का अलग-अलग रिकॉर्ड रखती है, जिससे महिलाओं को यह समझने में आसानी होती है कि उनकी किस गतिविधि से वो अपनी कितनी कैलोरी बर्न कर रही हैं। इससे फिटनेस प्लान बनाने में आसानी होती है।

करती है मोटिवेट भीः अकसर लोग कुछ दिनों तक व्यायाम करने के बाद अपना उत्साह खो देते हैं। लेकिन वियरेबल डिवाइस लगातार आपको लक्ष्य पूरा होने पर बधाई देती है, बार-बार लक्ष्य पूरा करने को याद दिलाती है, लगातार रिपोर्ट देती है। यानी वह बिना रुके आपको अपनी फिटनेस मेंटेन रखने के लिए इंस्पायर करती रहती है।

बारिश के मौसम में उमस भरी गर्मी, अधिक नमी और सीलन के कारण अक्सर घर में से बदबू आती रहती है। इसे दूर करने के लिए आप कुछ कारगर उपाय आजमा सकती हैं।

बारिश के मौसम में भीना-भीना महकेगा घर

साज-सज्जा

निकिता गुप्ता

बारिश के मौसम में नमी बढ़ने की वजह से घर में से अकसर सीलन की बदबू आती रहती है। लगातार बारिश के कारण घर के कोनों, अलमारियों, पर्दों और फर्नीचर में नमी जमा हो सकती है, जिससे घर के भीतर असहज महसूस होने लगता है। ऐसे में घर को साफ, ताजा और खुशबूदार बनाए रखना जरूरी हो जाता है। कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से मानसून में भी घर को फ्रेश और महकता हुआ रखा जा सकता है।

रखें पर्याप्त वेंटिलेशनः मानसून में घर के अंदर ताजी हवा का आना बहुत जरूरी है। जब भी मौसम साफ हो, खिड़कियां और दरवाजे कुछ समय के लिए खोल दें ताकि घर में हवा का प्रवाह बना रहे। इससे नमी कम होती है और बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया और फंफूदी पनपने की संभावना घट जाती है।

नियमित करें सफाईः फर्श, फर्नीचर और घर के कोनों की नियमित सफाई करें। गीले कपड़े से सफाई करने के बाद जगह को अच्छी तरह सूखने दें।

पर्दों-कुशन कवर की सफाईः बारिश के मौसम में कपड़े नमी को जल्दी सोख लेते हैं, जिससे उनमें सीलन की गंध आने लगती है। इसलिए पर्दों, कुशन कवर और बेडशीट्स को समय-समय पर धोती रहें।

नेचुरल फ्रेशनरः अलमारी और स्टोरेज एरिया में अकसर सीलन की गंध जमा हो जाती है। इसके लिए छोटे कपड़े की पोटली में लौंग, दालचीनी या सूखे फूल रखे जा सकते हैं।

इनडोर प्लांट्सः कुछ इनडोर प्लांट्स, घर की हवा को ताजा और खुशबूदार रखने में मदद कर सकते हैं। मनी प्लांट, स्नेक प्लांट और पीस लिली जैसे पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ वातावरण को भी बेहतर बनाते हैं।

सुगंधित मोमबत्तियांः सुगंधित मोमबत्तियां भी घर को खुशबूदार बनाने का आसान और सबसे प्रभावी तरीका हैं। शाम के समय कुछ देर के लिए हल्की खुशबू वाली मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं। इससे घर में खुशबूदार माहौल बनता है।

एसेंशियल ऑयल्सः लैवेंडर, लेमनग्रास, पुदीना या ऑरेंज जैसे एसेंशियल ऑयल्स मानसून में घर को खुशबूदार बनाने का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। इन्हें डिफ्यूजर में डालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इनकी हल्की और प्राकृतिक खुशबू घर के माहौल को महक से भर देती है।

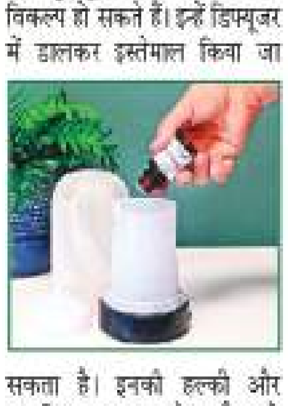

नमी को नियंत्रित रखेंः मानसून में केवल खुशबू फैलाना ही काफी नहीं है, बल्कि नमी को नियंत्रित रखना भी जरूरी है। यदि संभव हो तो डीह्यूमिडिफायर या नमी सोखने वाले उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है। इससे घर लंबे समय तक फ्रेश बना रहता है।

नीबू-बेकिंग सोडाः घर की बदबू दूर करने के लिए नीबू और बेकिंग सोडा काफी प्रभावी माने जाते हैं। एक कटोरी में बेकिंग सोडा कमरे के किसी कोने में रखें। यह हवा में मौजूद गंध को सोखने में मदद करता है। एक बाउल में नीबू को काटकर रख सकती हैं। नीबू की ताजगी भरी खुशबू घर के वातावरण को फ्रेश महसूस कराती है।

अंत में कहा जा सकता है कि मानसून में थोड़ी-सी अतिरिक्त देखभाल से घर को साफ, खुशबूदार और ताजगी भरा रखा जा सकता है। नियमित सफाई, प्राकृतिक खुशबू और उचित वेंटिलेशन जैसे छोटे-छोटे उपाय घर के माहौल को पूरी तरह बदल सकते हैं। इससे न केवल घर सुंदर लगता है, बल्कि परिवार के सभी सदस्य भी अधिक आरामदायक और सकारात्मक महसूस करते हैं।

(होम केयर एक्सपर्ट मिशाल गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

मानसून में फ्रेश फीलिंग के लिए परफेक्ट हैं ये परफ्यूम फ्रेगरेंस

सजेशन

श्रुति आयंगर

बारिश के मौसम में बढ़ी हुई ह्यूमिडिटी, उमस और पसीने की वजह से परफ्यूम की खुशबू जल्दी फीकी पड़ सकती है। ऐसे में सही फ्रेगरेंस चुनना जरूरी हो जाता है। अगर आप चाहती हैं कि इस सीजन में भी दिनभर आप फ्रेश, कॉन्फिडेंट और महकती रहें, तो हल्की, रिफ्रेशिंग और लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू को अपनी परफ्यूम कलेक्शन में शामिल करें। सही फ्रेगरेंस न सिर्फ पूरे दिन ताजगी का एहसास बनाए रखती है, बल्कि आपके स्टाइल और पर्सनालिटी को भी एक खास पहचान देती है। आइए जानते हैं ऐसी फ्रेगरेंस के बारे में, जो मानसून के दौरान भी आपके लुक को और इंप्रेसिव बना सकती है।

व्हाइट मस्क फ्रेगरेंसः अगर आपको हल्की लेकिन लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू पसंद है, तो व्हाइट मस्क फ्रेगरेंस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इसकी सॉफ्ट, क्लीन और एलिगेंट महक मानसून की उमस में भी पूरे दिन फ्रेशनेस बनाए रखती है। यही वजह है कि यह ऑफिस, कॉलेज जाने वाली ही नहीं डेली यूज के लिए भी महिलाओं की पसंदीदा फ्रेगरेंस में शामिल है।

एक्वा फ्रेगरेंसः मानसून के दौरान यूज किए जाने वाले परफ्यूम्स में एक्वा फ्रेगरेंस भी सबसे पसंदीदा चॉइस में से एक मानी जाती है। इसकी खुशबू समुद्री हवा और बारिश की फुहारों जैसी ताजगी का एहसास कराती है। अगर आपका दिन भाग-दौड़ भरा रहता है, तो यह फ्रेगरेंस आपको लंबे समय तक फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस कराने में मदद करेगी।

सिट्रस फ्रेगरेंसः नीबू, संतरा, बर्गामोट और ग्रेपफ्रूट जैसे सिट्रस नोट्स वाली फ्रेगरेंस, मानसून के लिए बेहतरीन मानी जाती है। इनकी हल्की और रिफ्रेशिंग खुशबू दिनभर आपको तरोताजा महसूस कराती है और आपकी एनर्जी बनाए रखने में मदद करती है। यह डेली वियर के लिए भी एक अच्छा विकल्प है।

ग्रीन टी फ्रेगरेंसः अगर आपको बहुत तेज खुशबू पसंद नहीं है, तो ग्रीन टी फ्रेगरेंस जरूर ट्राई करें। इसकी नेचुरल, हल्की और सुकून देने वाली महक मानसून के मौसम के लिए एकदम उपयुक्त मानी जाती है। यह पूरे दिन फ्रेश फील कराने के साथ-साथ मन को भी तरोताजा रखती है।

जैस्मिन फ्रेगरेंसः फ्लोरल खुशबू पसंद करने वाली महिलाओं के लिए जैस्मिन फ्रेगरेंस एक एवरग्रीन चॉइस है। इसकी भीनी-भीनी महक हर मौके पर आपकी पर्सनालिटी में एलिगेंट टच जोड़ती है। चाहे ऑफिस हो, आउटिंग हो या कोई खास अवसर, यह फ्रेगरेंस आपको अलग पहचान देती है।

बारिश के मौसम में कुछ लोग अकसर डल फील करते हैं। इसके साथ ही थकान, मूड स्विंग्स, अकेलापन भी महसूस होता है। ये लक्षण मानसून ब्लूज के हो सकते हैं। इसके क्या कारण हैं और इससे बचने के क्या उपाय हैं, जानिए।

अकसर फील करती हैं डलनेस-थकान कहीं आप मानसून ब्लूज का शिकार तो नहीं!

सीजनल हेल्थ

नम्रता उपाध्याय

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

बारिश के मौसम में रिमझिम फुहारें जहां तन को ठंडक पहुंचाती हैं, वहीं कई बार मन की उदासी का कारण भी बनने लगती हैं। मानसून के दौरान कई लोगों को उदासी और बेवजह डलनेस, थकान का अनुभव होता रहता है। बायोमेड सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार क्लाइमेट चेंजेज का हमारे मूड पर गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इससे अधिकतर लोगों को स्ट्रेस और एंग्जाइटी का सामना करना पड़ता है और वे दिनभर परेशान और उदास रहते हैं।

मानसून ब्लूज का असर

इस मौसम के चलते कई लोगों को मानसिक तौर पर कई प्रकार के बदलावों का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उनकी वर्क प्रोडक्टिविटी और ओवरऑल हेल्थ पर भी नजर आने लगता है। बारिश के दिनों में सन एक्सपोजर की कमी के चलते शरीर में विटामिन डी की मात्रा घट जाती है और शरीर में मूड बूस्टर न्यूरोट्रांसमीटर प्रभावित होने लगता है, जिसका असर ईटिंग हैबिट्स, नींद और डाइजेशन के साथ ही हमारे कंसंट्रेशन पर भी नजर आने लगता है, जिससे गुस्सा और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है। इस समस्या को मानसून ब्लूज कहा जाता है।

मूड खराब होने के कारण

बारिश के मौसम में मानसून ब्लूज का शिकार होने की कई वजहें हैं।

सूरज की कम रोशनीः इन दिनों सूरज की रोशनी हमें कम मिल पाती है, जिसके कारण बॉडी में विटामिन डी की कमी हो जाती है। इससे थकावट, कमजोरी और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है।

बचाव के उपायः मानसून के दौरान हमें कम धूप मिलने से शरीर में 'सेरोटोनिन' (खुशी देने वाला हार्मोन) का स्तर भी कम हो जाता है। इसके उलट 'मेलाटोनिन' (नींद लाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ सकता है, जिससे मूड स्विंग्स और सुस्ती होती है। इससे बचने के लिए अंधेरे में बैठने से बचें। दिन के समय घर के खिड़की-दरवाजे खुले रखें, ताकि घर में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आए। रोशनी के लिए इनडोर लाइट्स की मदद लें और खाली वक्त में किताबें पढ़ें या कोई भी पसंदीदा एक्टिविटीज को करें।

फिजिकली एक्टिव न होनाः बारिश के दिनों में आउटडोर वर्कआउट की कमी से स्ट्रेस का सामना करना पड़ता है, जिसके चलते शरीर में कार्टिसोल का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे नींद नहीं आती है।

बचाव के उपायः मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए रोजाना भरपूर नींद लें। ऐसा करने से मन को शांति और सुकून की प्राप्ति होती है। इससे शरीर एक्टिव रहता है और आलस से मुक्ति मिलती है। साथ ही बारिश के मौसम में अगर बाहर या जिम जाना संभव नहीं, तो घर पर ही हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें। सुबह स्ट्रेचिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज से मेंटल हेल्थ को मजबूत बनाएं।

डाइट में करें बदलावः बारिश के दिनों में अकसर लोग फ्राइड फूड्स खाने लगते हैं, जिससे शरीर में पोषण की कमी बढ़ जाती है और एंटी कैलोरीज इनटेक बढ़ने लगता है। इस वजह से इनडाइजेशन और मूड स्विंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बाहर से जंक फूड खाने के बजाय मूड बूस्ट करने वाली ताजी सब्जियों और फलों का सेवन करें, घर का ताजा खाना खाएं।

प्रस्तुतिः ललिता गोयल

'बुंदेली वसुधा' कार्यशाला एवं 'फाइन आर्ट फेयर-2026' के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन

बुन्देलखण्ड की कला को मिलेगा नया मंच, 31वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत आगामी आयोजनों का शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के ललित कला संस्थान द्वारा आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित 'बुंदेली वसुधा' कार्यशाला एवं 'फाइन आर्ट फेयर-2026' के आधिकारिक पोस्टर का मंगलवार को गरिमामय वातावरण में विमोचन किया गया। पोस्टर का लोकार्पण विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं कला जगत से जुड़े गणमान्यजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष महत्व प्रदान किया।

पोस्टर विमोचन के साथ ही आगामी आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इसे केवल एक औपचारिक अनावरण न मानते हुए कला, संस्कृति और रचनात्मक चेतना के नए अध्याय का शुभारंभ बताया। वक्ताओं ने कहा कि ललित कला समाज की सांस्कृतिक स्मृतियों, लोक परंपराओं और समकालीन विचारों को अभिव्यक्ति देने का सशक्त माध्यम है तथा ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी सृजनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ समाज और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। समारोह में कुलसचिव श्री ज्ञानेंद्र कुमार, संकायाध्यक्ष प्रो. पुनीत बिसारिया, उप कुलसचिव श्री सुनील कुमार सेन, उप कुलसचिव शेख अंजुम, प्रो. मुन्ना तिवारी, प्रो. एस.पी. सिंह, डॉ. जितेंद्र बबेले, डॉ. कौशल त्रिपाठी, श्री गोविंद यादव सहित ललित कला संस्थान के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजन की संकल्पना की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन बुन्देलखण्ड की कला एवं सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान करेगा। समारोह के दौरान आयोजकों ने बताया कि 'बुंदेली वसुधा' कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बुन्देलखण्ड की समृद्ध लोक संस्कृति, लोक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य एवं सांस्कृतिक विरासत को ललित कला के विविध माध्यमों के माध्यम से सृजनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करना है। यह कार्यशाला युवा कलाकारों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अनुभवी कलाकारों के मार्गदर्शन में अपनी कलात्मक क्षमता विकसित करने, पारंपरिक और समकालीन कला के बीच संवाद स्थापित करने तथा स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का अवसर उपलब्ध कराएगी। वहीं 'फाइन आर्ट फेयर-2026' का उद्देश्य कलाकारों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, कला संग्राहकों एवं कला प्रेमियों के लिए एक ऐसा सशक्त मंच तैयार करना है, जहाँ चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला, प्रिंटमेकिंग तथा समकालीन कला की विविध विधाओं का प्रदर्शन, बिक्री एवं रचनात्मक संवाद एक ही छत के नीचे संभव हो सके। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन स्थानीय एवं युवा कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा, कला के क्षेत्र में स्वरोजगार एवं व्यावसायिक संभावनाओं को प्रोत्साहित करेगा, कला संग्रहण और विपणन की संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह आयोजन कला, शिक्षा, संस्कृति और समाज के मध्य एक सशक्त सेतु का कार्य करते हुए क्षेत्र में रचनात्मक वातावरण के निर्माण तथा सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई गति प्रदान करेगा। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी आयोजन कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ देशभर के प्रतिष्ठित कलाकारों से संवाद एवं सीखने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल कलात्मक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की समन्वयक डॉ. श्वेता पांडेय ने सभी अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, विश्वास एवं मार्गदर्शन से यह आयोजन निश्चित रूप से सफल होगा और बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत को राष्ट्रीय परिदृश्य पर नई पहचान दिलाने में सार्थक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कलाकारों, विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों से आगामी 'बुंदेली वसुधा' कार्यशाला एवं 'फाइन आर्ट फेयर-2026' में सक्रिय सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि यह आयोजन सृजन, संवाद और सांस्कृतिक चेतना का एक विराट उत्सव सिद्ध होगा।

चयन वेतनमान के अवशेष देयक और वेतनवृद्धि बहाली की मांग

लिपिक पदस्थ न होने से ब्लॉक बामौर के प्रभावित हो रहे कार्यों से कराया अवगत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र दीक्षित के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। विकास खण्ड बामौर के शिक्षकों के चयन वेतनमान, चयन वेतनमान के अवशेष देयकों के भुगतान और रोकी गई वेतनवृद्धि बहाली की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बामौर के 20 जुलाई को प्रेषित पत्र पर ध्यानाकर्षित कराते हुए माह मई, जून और जुलाई के लम्बित चयन वेतनमान स्वीकृत करने, पूर्व में स्वीकृत चयन वेतनमान के अवशेष देयक का शीघ्र भुगतान करने, अपूर्ण निपुण आकलन के आधार पर रोकी गई शिक्षकों की वेतनवृद्धि तत्काल बहाल करने की मांग की। ब्लॉक बामौर में लिपिक पदस्थ न होने से खण्ड शिक्षाधिकारी कार्यालय के प्रभावित हो रहे कार्यों से अवगत कराया। बड़ागांव ब्लॉक में हेल्थ कार्ड बनाने में खण्ड शिक्षाधिकारी अनुदेशकों को साठ वर्ष की आयु तक सेवा न मानकर ग्यारह महीने की सेवाओं के अनुरूप किया जा रहा है। जबकि अन्य ब्लॉक में मानव सम्पदा पोर्टल के अनुरूप साठ वर्ष तक की सेवा के हिसाब से हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है। इसके साथ ही टीसी पर काउंटर साइन के लिए ब्लॉक के खण्ड शिक्षाधिकारी और मुख्यालय के खण्ड शिक्षाधिकारी से कराने की व्यवस्था की जटिलता को दूर करते हुए केवल मुख्यालय के खण्ड शिक्षाधिकारी को इसके लिए नामित किया जाए, जिससे शिक्षकों को अनावश्यक चक्कर न काटना पड़े। वहीं बंगरा में पदस्थ एक अध्यापक द्वारा कूटरचित ढंग से पूर्व बीएसए के नाम से पत्र खण्ड शिक्षाधिकारी कार्यालय बंगरा में रिसीव कराया। जबकि तत्कालीन बीएसए ने इस पत्र पर उनके फर्जी हस्ताक्षर होने की जानकारी दी। इस जालसाजी के द्वारा उक्त अध्यापक की मंशा माह जुलाई में शिक्षकों की वेतनवृद्धि रुकवाकर अवैध उगाही की रही। अध्यापकों पर इस प्रकार से शोषण करने की मंशा रखने वाले अध्यापक पर कार्यवाही की मांग की गई। इस दौरान जिला प्रवक्ता अब्दुल नोमान, संयुक्त मंत्री शिवकुमार पाराशर, कोषाध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, प्रवीण रावत, आनन्द मोहन मिश्रा, उमेश पाराशर, मनोज चौरसिया, अनुराग वाजपेई, शशांक अमरया भूपेश राय, मनुजा द्विवेदी, मंजू वर्मा, उमाशंकर श्रीवास, रूकसाना बेगम, धीरेन्द्र श्रीवास, देवी प्रसाद, देवेन्द्र वर्मा नीरज जोशी, सौरभ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

किसान नौजवान क्यों सड़को पर

(यंग भारत न्यूज)

राघवेन्द्र सिंह राजू ने कहा सत्ता का मतलब सेवा राजनीति मतलब सेवानिति

देश के इन बच्चों के लिए सभी मौन क्यों हो जाते हैं ?

देश में जाति के नाम पर भेदभाव कब तक रहेगा ?

वोट बैंक की राजनीति देश को बर्बाद कर देगी ?

काबिल होते हुए भी पैरों में जंजीर क्यों डाली जाती है ?

सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक के लिए ?

अब और नहीं !मंथन होगा

7 अगस्त 7 कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, दिल्ली चलो

चलो दिल्ली – जवाब मांगने

राघवेंद्र सिंह राजू जी ने कहा कि सवाल तो पूछना पड़ेगा

यह हमारा अधिकार है

राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा

भेदभाव कब तक मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान कब होगा समानता तो संविधान में है तो क्या सांसद विधायक मंत्री की कुर्सी बड़ी है ? ?

क्या देश के काबिल बच्चों के लिए सभी मौन हैं ?

क्या जाति के नाम पर भेदभाव अब बंद नहीं होगा ?

क्या वोट बैंक के लिए युवाओं के सपनों की बलि दी जाएगी ?

'युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ नहीं हो सकता'

यूजीसी कानून रोलबैक करो

7 अगस्त दिल्ली चलो ? काबिल हो... फिर भी जंजीर ?

मेहनत करो... फिर भी भेदभाव ?

देश का भविष्य हो... फिर भी मौन ?

क्यों ? सिर्फ वोट बैंक के लिए ?

अब सवर्ण तो सवाल पूछेंगे40 से 45 प्रतिशत

सवर्ण समाज सनातन योद्धा हिंदुत्व प्रेमी है

7 अगस्त दिल्ली चलो

यूजीसी वापस रोल बैक

लोहागढ़ पावर हाउस पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । गरौठा. विधानसभा क्षेत्र गरौठा के ग्राम लोहागढ़ स्थित 33/11 केवी पावर हाउस पर गहराते विद्युत संकट और किसानों को हो रही समस्याओं को देखते हुए क्षेत्रीय भाजपा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कड़ा रुख अपनाया है. उन्होंने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन को पत्र भेजकर लोहागढ़ पावर हाउस पर वर्तमान में स्थापित 5 °×ßè° (एमबी) के ट्रांसफार्मर की जगह 10 एमवीए (एमबी) क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कराने की मांग की है.

विधायक ने पत्र में अवगत कराया कि ग्राम लोहागढ़ स्थित पावर हाउस पर क्षमता से अधिक लोड होने के कारण किसानों को लगातार लो-वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है. आए दिन अत्यधिक लोड के कारण 5 एमवीए का ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाता है, जिससे कई-कई दिनों तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहती है.

खरीफ सीजन में सिंचाई की समस्या बढ़ी

विधायक जवाहर लाल राजपूत ने बताया कि इस समय खरीफ की फसल का सीजन चल रहा है, जिसके कारण खेतों में सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति की मांग काफी अधिक है. पावर हाउस ओवरलोड होने की वजह से सभी फीडर एक साथ नहीं चलाए जा पा रहे हैं. इस वजह से न तो किसानों के पंपिंग सेट व मोटरें चल पा रही हैं. 5 एमवीए की जगह 10 एमवीए का बड़ा ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की जा रही है. विधायक ने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन से लोहागढ़ पावर हाउस पर जल्द से जल्द 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर स्थापित कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है.

यूपी एसोसिएशन ऑफ जनलिस्ट के प्रदेश कार्यकारी सदस्य बने राम सेवक अड़जरिया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नव नियुक्त विशेष आमंत्रित प्रदेश कार्यकारी सदस्य बनाए है। यूपी एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने झांसी रामसेवक अड़जरिया, अनिल शर्मा को उरई जालौन, श्रीमती सुनीता उपाध्याय को गाजियाबाद, दिलीप श्रीवास्तव को बाराबंकी का प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रण सदस्य नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष और संगठन के सभी पदाधिकारियों ने नव नियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त होने पर को बधाई शुभकामनाएं दी।

रेलवे का लोहा चोरी करके बेचते थे

झांसी। जनपद में रेलवे की संपत्ति पर अवैध कब्जे के 14 साल पुराने मामले में रेलवे न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे एवं पीठासीन अधिकारी प्रतीक त्रिपाठी की अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को दो-दो साल की जेल और पांच-पांच हजार रुपए जुमार्नें की सजा सुनाई है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यदि दोषी निर्धारित जुमार्ना जमा नहीं करते हैं तो उन्हें 20-20 दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दोषी ठहराए गए आरोपियों में संजय कुशवाहा निवासी बरुआपुरा (थाना रक्सा), छोटू साहू निवासी दीनदयाल नगर (थाना सीपरी बाजार) और पंकज वर्मन निवासी मसीहागंज (थाना सीपरी बाजार) शामिल हैं। मामला 2012 का है। 31 मई 2012 को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट स्टोर, झांसी की टीम ने खातीबाबा रोड स्थित दीनदयाल नगर में संचालित मां जगदंबा स्क्रैप की दुकान पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान दुकान से करीब एक टन रेलवे की संपत्ति बरामद की गई थी। उस समय बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 35 हजार रुपए आंकी गई थी।आरपीएफ के अनुसार बरामद सामान रेलवे का था और आरोपियों के पास उसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज या अनुमति नहीं थी। इसके बाद तीनों के खिलाफ रेल संपत्ति (विधि विरुद्ध कब्जा) अधिनियम, 1966 की धारा-3 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। यह मामला 2012 से रेलवे न्यायालय में विचाराधीन रहा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने बरामदगी से जुड़े दस्तावेज, जब्ती पंचनामा, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्य अदालत के समक्ष पेश किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया।

बिजली संकट पर यूपीपीसीएल के चेयरमैन को गरौठा विधायक ने सौंपा पत्र

बिजली ना आने से पेयजल एवं सिंचाई पर पड़ रहा असर, ट्रांसफार्मर और ख़राब विद्युत लाइनें सुधारने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी. झांसी जिले में विद्युत संकट और इससे आम जनता तथा किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के चेयरमैन आशीष गोयल को पत्र सौंपकर विद्युत व्यवस्था सुचारु करने की मांग उठाई है.

पत्र में विधायक ने बताया कि क्षेत्र में सुचारू रूप से बिजली न मिलने के कारण जलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे गर्मी के बीच जल संकट की स्थिति बन गई है. बिजली कटौती से किसान परेशान हो रहे हैं. धान की रोपाई पर असर पड़ रहा है.विधायक जवाहर लाल राजपूत ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि मोंठ तहसील के अधिकांश गांवों में इस समय धान की रोपाई और कृषि कार्य चल रहे हैं. इसके लिए निजी व सरकारी ट्यूबवेलों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है. क्षेत्र के पावर हाउसों के फीडरों से निरंतर बिजली सप्लाई न मिलने के कारण किसान बेहद परेशान हैं. इनमें मोंठ पावर हाउस, लोहागढ़ पावर हाउस, समथर पावर हाउस, शाहजहाँपुर पावर हाउस, करकोस पावर हाउस फीडरों से विद्युत आपूर्ति प्रभावित है.

गरौठा एवं मारकुआँ पावर हाउस

इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली और ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि की मांग

क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की स्थिति जर्जर होने की बात कहते हुए विधायक ने पत्र में उल्लेख किया कि यहां की विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हैं. कई स्थानों पर खंभे टूट गए हैं और केबल जल चुकी हैं.

कई गांवों से शिकायतें आ रही हैं कि 4 से 5 दिनों तक बिजली नहीं मिल रही है. रोस्टिंग का कोई निश्चित समय तय न होने से पूरी-पूरी रात या दिन बिजली गायब रहती है. इसे देखते हुए गांवों से ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि (25 से 63 द्मड्ड, 63 से 100 द्मड्ड और 100 से 250 द्मड्ड) की निरंतर मांग उठाई जा रही है, जो अब तक पूरी नहीं की गई है.

खराब ट्रांसफार्मर से किसान परेशान-किसानों के निजी ट्यूबवेलों में लगे खराब ट्रांसफार्मर बदले नहीं जा पा रहे हैं, जिससे धान की फसल और सिंचाई का काम बाधित हो रहा है.अधिकारियों की लापरवाही और नियमित बिल जमा करने के बाद भी परेशानी नगर क्षेत्रों जैसे मोंठ, समथर, गरौठा, एरच एवं गुरसरांय में भी बिजली की आवाजाही लगातार बनी हुई है. विधायक जवाहर लाल राजपूत ने चेयरमैन को बताया है कि गरौठा विधानसभा के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को तत्काल सुचारू और निर्बाध रूप से संचालित कराया जाए ताकि आम जनमानस और किसानों को राहत मिल सके.

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718